वर्ष: 7- अंक: 200, मुंबई, शुक्रवार, 6 अक्टूबर, 2017 , मूल्य:1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

एक लाइसेंस-दो मालिक-चार होटल

मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों की करामात !

शरद उघाड़े
मनपा सहायक आयुक्त
(एच/डब्ल्यू)

खार पश्चिम के तीसरे रास्ते पर भ्रष्टाचार की अनोखी दास्तान

मुंबई। मुंबई के उपनगर खार पश्चिम में बीएमसी के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से एक ही लाइसेंस पर चार-चार होटल चलाये जाने के हैरतअंगेज मामले ने काफी तूल पकड़ लिया है। लेकिन मनपा एच/पश्चिम में अधिकारियें के बीच इसे लेकर कोई हलचल मची नहीं दिख रही है। एक लाइसेंस, दो मालिक और चार होटल का खुलासा **दैनिक मुंबई हलचल** ने काफी पहले कर दिया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

होटल दुलाली

होटल ट्यूनिंग फोर्क

EXCLUSIVE
MUMBAI HALCHAL
EXCLUSIVE

होटल थ्री वाइज मंकी

होटल क्वार्टर पीलर

पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके

आजम खान का बयान

‘हमारे आदर्श मुगल नहीं, राम-कृष्ण हैं’

मुलायम सिंह यादव के घर कार्यक्रम में मोदी के आने पर बिना नाम लिए आजम खां ने कहा, हमारा कातिल आपके चौखट से गुजर गया। हमारे कातिल भी आप हैं मसीहा भी आप हैं।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। आजम खां ने मुसलमानों की अनदेखी का मामला उठाते हुए कहा है कि हमारे आदर्श मुगल नहीं राम-कृष्ण हैं। आजम ने अर्थव्यवस्था और नोटबंदी के मुद्दे पर मोदी सरकार को भी निशाने पर लिया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नोटबंदी को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

आजम खां ने मोदी सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि नोटबंदी से देश में आर्थिक संकट पैदा हो गया है। जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ है। आजम ने कहा है, अच्छे दिन कहने वालों से आज देश का किसान दुखी है। देश का हर वर्ग आज निराश है। आजम खां ने यह भी कहा है कि देश में इस वक्त जो हालात पैदा कर दिए गए हैं, वो किसी से छुपे नहीं है।

आने वाले वक्त में हम और मजबूत होंगे

मुलायम सिंह यादव के घर कार्यक्रम में मोदी के आने पर बिना नाम लिए आजम खां ने कहा, हमारा कातिल आपके चौखट से गुजर गया। हमारे कातिल भी आप हैं मसीहा भी आप हैं। उन्होंने आगे कहा, नेताजी ने हम सबको आशीर्वाद दिया है। आने वाले वक्त में हम और मजबूत होंगे। अब हम ऐसी कोशिश करेंगे कि 2019 में सपा बड़ी ताकत के रूप में उभरे।

मोदी कब तक गुमराह करेंगे?

अगला विरोध शांतिपूर्ण नहीं होगा: राज ठाकरे

मुंबई। एलफिन्स्टन रेलवे ब्रिज पर मची भगदड़ के विरोध में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) ने गुरुवार को मुंबई के मेट्रो सिनेमा इलाके में प्रदर्शन किया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बलूचिस्तान की दरगाह में आत्मघाती हमला

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

स्नेहा नमनांदी की सफलता का राज

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती ऊंट के मुंह में जीराः शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने गुरुवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क को दो रुपये प्रति लीटर कम करने का सरकार का कदम महासागर में एक बूंद की तरह है क्योंकि यह कदम ईंधन की कीमत बढ़ने के महीनों बाद उठाया गया है। उत्पाद शुल्क में हाल में की गई कटौती को अपर्याप्त बताने के लिए शिवसेना ने लोकप्रिय मुहावरे ऊंट के मुंह में जीरा का इस्तेमाल किया।

शिवसेना ने कहा कि जनता की ओर से बढ़ रहे दबाव के सामने झुकते हुए सरकार ने तीन अक्तूबर को ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की, जिससे कि पिछले तीन महीने में डीजल-पेट्रोल के तेजी से बढ़े दामों को कम किया जा सके। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र दोपहर का सामना में एक संपादकीय में कहा, हालांकि यह फैसला वाहन मालिकों और आम आदमी को फायदा देगा, लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरे की तरह है। पहले उन्होंने बहुत तेजी से दाम बढ़ाए और फिर नाममात्र के लिए इसे कम कर दिया जब हर जगह शोर हो गया।

केंद्र में एनडीए और महाराष्ट्र में बीजेपी की सहयोगी पार्टी शिवसेना ने सरकार पर हमला बोलने के लिए एक और मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यह कदम चिलचिलाती धूप में शरीर पर पडने वाली ठंडे पानी की एक बूंद की तरह है। इसने सत्तारुढ़ पार्टी पर ईंधन के दाम कम करने के लिए मानसिक रुप से तैयार नहीं होने का भी आरोप लगाया। पेट्रोल के दामों में चार जुलाई से अब तक 7.8 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दामों में 5.7 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है जो अपनी सबसे ऊंची कीमत पर पहुंच गया है। पार्टी ने कहा कि सरकार ईंधन बेचने वाली कंपनियों के लिए अच्छे दिन लेकर आई है और आम आदमी के लिए ये बुरे दिन हैं।

5.5 किलो के ट्यूमर का ऑपरेशन कर बनाया विश्व रेकॉर्ड

मुंबई। मुंबई के सायन अस्पताल के डॉक्टरों ने 5.5 किग्रा वजन वाले मेडिकल हिस्ट्री में दर्ज किए गए सबसे बड़े किडनी के ट्यूमर को हटाकर नया विश्व रेकॉर्ड बनाया है। गिनेस वर्ल्ड रेकॉर्ड्स ने हाल ही में अस्पताल की इस उपलब्धि की पुष्टि की। हेड ऑफ यूरॉलजी, डॉ अजीत सावंत की अगुवाई वाली डॉक्टरों की टीम ने बिहार के दरभंगा जिले की 28 वर्षीय महिला मंजू देवी के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया। वह तीन साल से दर्द की वजह से परेशान होने की शिकायत लेकर इनके पास आई थी। सीटी स्कैन से पता चला कि भारी ट्यूमर ने किडनी की जगह ले ली थी। महिला रोजमर्रा के जरूरी काम भी बहुत मुश्किल से कर पा रही थी। डॉ सावंत, डॉ प्रकाश पवार, डॉ गीता पाटकर और डॉ अपर्णा नेरुमल द्वारा की गई आठ घंटे लंबी सर्जरी में नवम्बर 2016 को इस ट्यूमर को हटा दिया गया था। गिनेस ने इस रेकॉर्ड की पुष्टि हाल ही में की क्योंकि दावों को मान्य करने के लिए इसमें छह महीने का समय लगता है।

मुंबई पुलिस ने जब्त कीं 30 करोड़ की प्रतिबंधित दवाएं

मुंबई। अगस्त में वसई एस्टेट एजेंट से 22 लाख रुपये की प्रतिबंधित दवाएं जब्त करने और एजेंट की गिरफ्तारी के बाद मुंबई पुलिस के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। मंगलवार को पालघर जिले के तालासारी तालुका स्थित एक फार्महाउस से मुंबई पुलिस ने 30 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं और हेरोइन जब्त की। पूछताछ के दौरान आरोपी सोहेल मेमन ने स्वीकार किया कि ड्रग्स को दबचेरी गांव के फार्महाउस में स्टोर किया जा रहा था। पुलिस टीम ने फार्महाउस पर छापा मारकर 5.2 किलो हेरोइन जब्त की जिसकी कीमत करीब अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 26 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इसके अलावा करीब 10 करोड़ मूल्य की 24.69 किलो प्रतिबंधित दवाएं और 4 करोड़ रुपये कीमत का 9.1 किलो अज्ञात ड्रग भी बरामद किया गया। पुलिस ने ड्रग्स पहुंचाने के काम आने वाले वाहन को भी सीज कर दिया है। अब फार्महाउस के मालिक की तलाश की जा रही है। 35 साल का आरोपी सोहेल पिछले तीन महीनों में दो अलग मामलों में दो बार गिरफ्तार हो चुका है।

मुंबई विश्वविद्यालयः 'ऑनलाइन मूल्यांकन से परेशान होंगे विद्यार्थी'

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय में आगामी परीक्षाओं का भी ऑनलाइन मूल्यांकन के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भालचंद्र मुणगेकर ने कहा कि अगर नवंबर और दिसंबर की परीक्षाओं का ऑनलाइन मूल्यांकन हुआ, तो यह बहुत गलत और विद्यार्थियों को परेशान करना होगा। अब अगर ऑनलाइन मूल्यांकन हुआ और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ, तो इसके लिए राज्यपाल सी. विद्यासागर राव और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि अब तक विद्यार्थी परेशान है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार कुलपति डॉ. संजय देशमुख और अन्य अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राज्यपाल के पास कार्रवाई का अधिकार

मुणगेकर ने कुलपति पर अब तक कार्रवाई नहीं होने पर राज्यपाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के पास राज्य के सभी विश्वविद्यालय में कार्रवाई करने का अधिकार है। ऐसे में वे कुलपति डॉ. संजय देशमुख पर कार्रवाई करने के लिए किसके आदेश का इंतजार कर रहे हैं। अप्रैल-मई में हुए सभी परीक्षा का परिणाम अब तक घोषित नहीं हुए हैं। अब भी विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अपने परीक्षा परिणाम को जानने के लिए भटक रहे हैं। कई विद्यार्थियों का उत्तर पुस्तिका नहीं मिल रहा है।

ऐसे में एक बार फिर अक्टूबर-नवंबर में होने वाली परीक्षाओं का ऑनलाइन मूल्यांकन कराने का ठेका उसी मेरिट ट्रैक कंपनी को दिया गया है, जो पूरी तरह से असफल रही है। इस कम्पनी के पास ऑनलाइन मूल्यांकन का कोई अनुभव नहीं है। इस किसे आधार पर ठेका दिया गया, उसकी जानकारी विश्वविद्यालय को सार्वजनिक करना चाहिए।

नए कुलपति के चयन का प्रक्रिया हो शुरू

पूर्व कुलपति ने मांग की कि देशमुख को राज्यपाल तुरंत पदमुक्त करें और नए कुलपति का चयन प्रक्रिया शुरू करें, जिससे दो महीने में नए कुलपति की नियुक्ति हो सकती है।

मालेगांव विस्फोट में योगी को भी बनाया जा रहा था आरोपी

मुंबई। 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले के आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी ने दावा किया है कि जांचकताओं ने योगी आदित्यनाथ एवं अन्य हिंदू नेताओं को भी इस मामले में घसीटने का प्रयास किया था। भाजपा नेता योगी अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। चतुर्वेदी वर्तमान में जमानत पर हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू कार्यकताओं को गलत तरीके से फंसाया गया है। पूर्व की कांग्रेस-राकांपा सरकार ने भगवा आतंकवाद का सिद्धांत साबित करने और अल्पसंख्यकों को संतुष्ट करने के प्रयास के तहत यह कदम उठाया था।

चतुर्वेदी ने कहा, 'पूछताछ के दौरान मुझसे आरएसएस और उसके प्रमुख

मोहन भागवत के साथ जुड़ाव के बारे में पूछा गया। योगी के बारे में भी सवाल पूछे गए थे। उन लोगों ने मेरे माध्यम से उन्हें घेरने की कोशिश की थी।' विस्फोट मामले की जांच का काम शुरू में महाराष्ट्र एटीएस के पास था। बाद में इसे एनआइए को सौंप दिया गया। एनआइए की विशेष अदालत ने पिछले माह चतुर्वेदी व दूसरे आरोपी सुधाकर द्विवेदी को जमानत दे दी। चतुर्वेदी एवं अन्य पर आतंकी हमले की योजना बनाने के लिए हुई बैठक में शामिल होने का आरोप है।

नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

24 साल बाद मुंबई धमाकों को दोहराने की साजिश रच रहा दाऊद इब्राहिम, इंटरसेप्ट हुई बातचीत

मुंबई। 1993 मुंबई बम धमाकों का मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम 24 साल बाद वैसे ही हमलों को दोहराने की साजिश में लगा है। मुंबई पुलिस ने पाकिस्तान में रह रहे दाऊद के भाई और भारत में उसके गुर्गे की बातचीत को इंटरसेप्ट किया है। दाऊद के इस ब्लैक फ्राइडे प्लॉट के बारे में केन्द्र सरकार को भी सूचित कर दिया गया है। दाऊद के इन इरादों से साफ जाहिर होता है कि भारत के सबसे प्रभावशाली और शक्तिशाली जगहों पर उसके अपने लोग मौजूद हैं। ऐसे में दाऊद के इन करीबियों को पकड़ने के लिए पुलिस और केन्द्रीय एजेंसियों की चुनौती काफी बढ़ जाती है। खबर के मुताबिक भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम और उसकी कंपनी के कुछ लोग अब भी भारत में बैठकर उसके मंसूबों को अमलीजामा पहनाने की साजिश में लगे हैं। ऐसे में मुंबई पुलिस द्वारा दाऊद इब्राहिम के पाकिस्तान में मौजूद भाई और भारत में उसके लोगों के बीच हाल के समय में की गई बातचीत को इंटरसेप्ट करने को एक बड़ी साजिश का पदार्फाश माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस बातचीत में मुंबई पुलिस को कई अहम

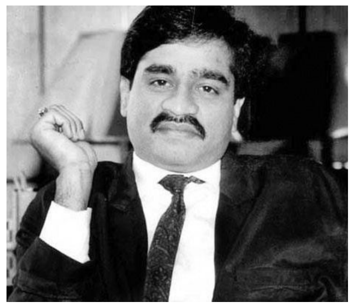

जानकारियां मिली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दाऊद और उसके गुर्गे मुंबई हमले जैसी किसी बड़ी साजिश की तैयारी कर रहे हैं। अब पुलिस और केन्द्रीय एजेंसियां उन लोगों की तलाश कर रही हैं जो भारत में रहकर दाऊद के नापाक मंसूबे को कामयाब करने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के छोटे भाई इकबाल कासकर को ठाणे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इकबाल को जबरन उगाही और धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसे मुंबई में मौजूद उसके घर से अरेस्ट किया गया है। इकबाल के अलावा चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया था कि इकबाल कासकर ने एक बिल्डर को फोन पर धमकी देकर उससे उगाही की कोशिश की थी। बिल्डर से पहले ही चार फ्लैट ले चुका इकबाल उससे और रुपयों की मांग कर रहा था। इकबाल कासकर को 13 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं कासकर के दो अन्य साथियों को भी इसी अवधि के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अदालत ने इस मामले में चौथे आरोपी पंकज गांगर की पुलिस कस्टडी को भी बढ़ा दिया है।

हेमा मालिनी के गोदाम से 90 हजार के कपड़े और जेवर चोरी, मामला दर्ज

मुंबई। भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी के घर के गोदाम से कपड़े, जेवर और कई कीमती सामान चोरी कर लिए गए। हेमा मालिनी के मुंबई के अंधेरी स्थित घर से ये चोरी हुई है। चोर ने घर के गोदाम से 90 हजार रुपए की कीमत के हेमा मालिनी के कॉस्ट्यूम और दूसरे सामान चोरी किए हैं। हेमा मालिनी इस गोदाम में वो सामान रखती हैं, जिनका इस्तेमाल वो थियेटर और डांस शो के लिए करती हैं। वो गोदाम में कॉस्ट्यूम, मेकअप का सामान, आर्टिफिशियल जेवर और डांस के लिए पहने जाने वाली ड्रेस रखती हैं। हेमा मालिनी के मैनेजर ने गोदाम से चीजों को गायब देखा तो उन्हें चोरी का पता चला और इसकी शिकायत जुहू पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, स्टेज शो में इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ खास स्टैचू, रंगमंच के सामान और कपड़े गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिनकी कीमत 90 हजार के करीब है। पुलिस मान रही है कि घर के नौकर ने ही ये चोरी की है, जो गोदाम की साफ-सफाई का काम देख रह था। पुलिस नौकर से सपर्क की कोशिश कर रही है। पुलिस नौकर की तलाश कर रही है। हेमा मालिनी चौथे भारतीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने के लिए इस वक्त रूस में हैं। इस चोरी को लेकर हेमा मालिनी ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। आपको बता दें कि हेमा मालिनी उत्तर प्रदेश के मथुरा से भाजपा की सांसद हैं। वो फिल्मों में अभिनय करने के साथ-साथ क्लासिकल डांसर भी हैं और देश-विदेश में डांस शो करती रहती हैं।

कंगना कंट्रोवर्सी पर ऋतिक

उसके साथ काम किया, प्राइवेट मुलाकात नहीं की

मुंबई। कंगना रनोट से रिश्तों पर ऋतिक रोशन ने पहली बार रिएक्शन दिया है। उन्होंने गुरुवार को एक फेसबुक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहीं भी कंगना का नाम नहीं लिखा। लेकिन कहा- ये सही है कि मैंने उस लेडी के साथ काम किया। लेकिन, कभी कोई प्राइवेट मुलाकात नहीं की। इस एक्टर के मुताबिक, उन्होंने इस लेडी के साथ दो फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा उससे कोई कनेक्शन नहीं है। बता दें कि ऋतिक ने कुछ दिनों पहले कंगना के खिलाफ 29 पेज की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद एक्ट्रेस की बहन रंगोली ने ऋतिक पर तंज कसे थे। ऋतिक ने आगे लिखा-मैंने हमेशा अपने

काम पर फोकस किया। विवादों से भी दूर रहा। लेकिन पिछले कुछ वक्त से जिस तरह झूठ को सच मानकर मीडिया में दिखाया जा रहा है उसमें कोई सच्चाई नहीं है। मैं किसी आरोप या अफेयर के खिलाफ नहीं लड़ रहा हूं। ना ही मैं 'गुड ब्वॉय' इमेज के लिए बच्चों की तरह पेश आ रहा हूं। अपनी गलतियां जानता हूं। आखिर में भी इंसान हूं। कंगना ने दावा किया था कि जनवरी, 2014 में उन्होंने पेरिस में ऋतिक से सगाई की थी। इस पर ऋतिक ने कहा- ये सरासर झूठ है। उसके पास कोई फोटो, कोई सबूत या गवाह नहीं है। कथित इंगेजमेंट की कोई सेल्फी तक नहीं है। जिसे वो 7 साल की रोमांटिक रिलेशनशिप बता रही है, उसका एक भी सबूत उसके पास नहीं है। इस एक्टर ने आगे कहा, हम दूसरी पार्टी पर सिर्फ यह सोचकर यकीन कर लेते हैं कि एक लड़की आखिर झूठ क्यों बोलेगी। मेरे पासपोर्ट की डिटेल साफतौर पर यह बता रही है कि 2014 में मैं देश से बाहर गया ही नहीं। हमारी इस 'सो कॉल्ड रिलेशनशिप' का इकलौता सबूत वह फोटोशॉप्ड फोटो है, जिसे मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया। हालांकि उसकी भी हकीकत अगले ही दिन मेरी एक्स-वाइफ और दोस्तों ने साफ कर दी थी।

मेरे पास 3 हजार वन साइडेड मेल

ऋतिक ने आगे लिखा, मेरे पास करीब 3 हजार एकतरफा मेल हैं। जो मैं खुद को तो भेजूंगा नहीं। ये मेल मुझे उसने भेजे। साइबर क्राइम डिपार्टमेंट कुछ ही दिनों में इस बात को क्लियर कर देगा कि वो मेल आखिर मुझे किसने भेजे। मैंने साइबर क्राइम सेल को में अपनी सभी डिवाइस सौंप दिए हैं। लेकिन दूसरी पार्टी इस मामले से बचने के लिए अभी तक गायब है। जांच अभी बंद नहीं हुई है।

मुझे 4 साल से टॉर्चर किया जा रहा है

ऋतिक के मुताबिक, मुझे इस मामले में चार साल से टॉर्चर किया जा रहा है। लोग सोशल बायस्ड होकर एक महिला का सपोर्ट कर रहे हैं। लेकिन, मैं नाराज नहीं हूं। मैंने कभी किसी पुरुष या महिला से कभी झगड़ा नहीं किया। यहां तक कि मेरे डिवोर्स के वक्त भी मेरा कोई झगड़ा नहीं हुआ। मैं किसी पर भी आरोप नहीं लगा रहा हूं। मैं सिर्फ सच्चाई का साथ दे रहा हूं। क्योंकि अगर सच परेशान होगा तो फिर पूरा समाज परेशान हो जाएगा।

दोनों के बीच विवाद क्यों?

एक इंटरव्यू के दौरान कंगना से पूछा गया था कि क्या उन्हें ऋतिक ने 'आशिकी 3' से बाहर कराया। इसका जबाव देते हुए कंगना ने कहा था, हां, मैंने भी ऐसी बातें सुनी हैं। मुझे नहीं पता कि 'सिली एक्स पार्टनर्स' पब्लिसिटी पाने के लिए ऐसी हरकतें क्यों करते हैं। इसके बाद ऋतिक ने ट्वीट कर कहा था कि इस एक्ट्रेस की बजाय उनका पोप से अफेयर होने के चांसेस ज्यादा हैं। इसी के बाद से दोनों के बीच विवाद है। ऋतिक ने कंगना के इसी बयान को लेकर नोटिस भेजा था। ऋतिक ने हैकिंग और कंगना के खिलाफ सबूत सौंपे थे। इसमें ज्यादातर ईमेल हैं। ऋतिक और कंगना, दोनों यह दावा करते रहे कि उनके ईमेल अकाउंट हैक हुए थे। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच ने नवंबर, 2016 में जांच के बाद इस मामले को यह कहते हुए क्लोज कर दिया था कि इसमें न तो किसी की जीत हुई और ना ही किसी की हार। इसके बाद सितंबर, 2017 में 'सिमरन' की रिलीज से पहले कंगना ने एक पर ऋतिक रोशन पर एक बार फिर कई आरोप लगाते हुए इस मामले को हवा दी।

आर.पी. शर्मा मध्य रेल के नए प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर

मुंबई। मध्य रेल्वे के नए प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में आर.पी. शर्मा ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। आप भारतीय रेल सेवा के 1981 बैच के विद्युत इंजीनियरस (आईआरएसईई) अधिकारी हैं। भारतीय रेल में आपकी नियुक्ति 1983 को हुई थी। इसके बाद आप पश्चिम रेल, रेल विद्युतीकरण के मध्य संगठन, मध्य रेल, दक्षिण-पूर्व रेल तथा पश्चिम-मध्य रेल में विभिन्न पदोपर कार्यरत रहे। बता दें कि शर्मा को रेल विद्यतीकरण, विद्युत लोको अनुरक्षण तथा परिचालन, सामान्य प्रबंधन, कारखाना तथा उत्पाद यूनिट पर कार्य करने का वृहद अनुभव है। आप सोलापुर में सहायक मंडल रेल प्रबंधक तथा मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल तथा नासिक रोड कर्षण मोटर कारखाने में मुख्य कारखाना प्रबंधक, दक्षिण-पश्चिम रेल तथा पश्चिम झ मध्य रेल पर मुख्य लोको इंजीनियर तथा जबलपुर में रेल विद्युतीकरण परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक जैसे वरिष्ठ पदों पर कार्य कर चुके हैं। मध्य रेल पर कार्यभार ग्रहण करने से पहले आप रेल व्हील फैक्ट्री, बैंगलूरू में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।

(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)

(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्रधानमंत्री का आश्वासन

यह स्वाभाविक भी था और अपेक्षित भी कि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेट्रीज ऑफ इंडिया की स्वर्ण जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्थव्यवस्था पर बात करें। यह अच्छा हुआ कि उन्होंने ऐसा ही किया। प्रधानमंत्री ने न केवल इस वर्ष अप्रैल-जून की तिमाही में जीडीपी की दर में गिरावट का उल्लेख किया, बल्कि यह भी माना कि जीएसटी को लेकर समस्याएं आ रही हैं। उन्होंने जीडीपी के मामले में जिस तरह गिरावट के सिलसिले को रोकने और उसे उलटने की प्रतिबद्धता जताई उसी तरह जीएसटी के अमल में आ रही कठिनाइयों को भी दूर करने का आश्वासन दिया। इस सबके साथ ही उन्होंने यह रेखांकित किया कि अर्थव्यवस्था के आधार मजबूत हैं और उन्हें लेकर चिंतित होने का कोई कारण नहीं। प्रधानमंत्री ने ये सब बातें उस दिन कहीं जिस दिन रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की समीक्षा पेश करते हुए एक ओर जहां महंगाई दर बढ़ने की आशंका जताई वहीं दूसरी ओर चालू वित्त वर्ष की आर्थिक विकास दर का अनुमान 7.3 से घटाकर 6.7 फीसद कर दिया। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने अगली दो तिमाही में अर्थव्यवस्था की तस्वीर में बदलाव की जैसी उम्मीद जताई वैसी ही उम्मीद प्रधानमंत्री ने भी जताई। इस क्रम में उन्होंने आलोचकों को आड़े हाथ लेने के साथ उन्हें आईना भी दिखाया। निःसंदेह उनकी ओर से व्यक्त की गई प्रतिबद्धता से आम लोगों को बल मिलेगा, लेकिन बात तब बनेगी जब उद्योग-व्यापार जगत भी उत्साहित हो। निःसंदेह फिलहाल ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का कोई कारण नहीं कि जीडीपी में गिरावट का दौर स्थाई है, लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि नोटबंदी के असर से उबर रहे उद्योग-व्यापार जगत के लिए जीएसटी एक समस्या बना हुआ है। अब जब खुद प्रधानमंत्री ने यह स्वीकार कर लिया कि जीएसटी के अमल में समस्याएं आ रही हैं और सरकार हालात बदलने के लिए कदम उठा रही है तब फिर यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य हो जाता है कि ऐसे उपाय किए जाएं जो उद्योग-व्यापार जगत की समस्याओं का समाधान करने के साथ ही उसका भरोसा बढ़ाने वाले भी साबित हों। दरअसल इससे ही माहौल बदलेगा और निराशा फैलाने वाले हतोत्साहित होंगे। चूंकि माहौल बदलने में नौकरशाही का रवैया कहीं अधिक सहायक बनेगा इसलिए केंद्र के साथ राज्य सरकारों को उसके तौर-तरीकों में सकारात्मक बदलाव लाना सुनिश्चित करना चाहिए। नौकरशाही को ऐसे निर्देश देने की सख्त जरूरत है कि वह जीएसटी सिस्टम की खामियों को एक निश्चित समय सीमा में दूर करे। यह भी समय की मांग है कि जीएसटी काउंसिल जीएसटी के कारण उद्योग-व्यापार जगत के समक्ष आने वाली कठिनाइयों का जायजा लेने के साथ ही यह भी देखे कि अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ उद्यमियों और व्यापारियों को राहत देने वाले क्या कदम उठाए जा सकते हैं? क्या यह उचित नहीं होगा कि राज्य सरकारों को इसके लिए राजी किया जाए कि वे रियल स्टेट के साथ पेट्रोलियम पदार्थों को भी जीएसटी के दायरे में लाने को लेकर सहमत हों? जीएसटी काउंसिल यह समझे तो बेहतर कि प्रधानमंत्री के आश्वासन के बाद उसकी जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ गई है।

कठिन रास्ते पर चलने में ही भलाई

दशहरे के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रावण पर निशाना साधने के लिए धनुष की प्रत्यंचा खींची तो धनुष ही टूट गया। उन्होंने दूसरे धनुष की मांग या इंतजार करने की बजाय तीर को हाथ से ही फेंक दिया। यह इत्तफाकन हुई घटना इस समय की राजनीतिक और आर्थिक स्थिति की ओर संकेत करती है। सवाल है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम में प्रधानमंत्री ने प्रत्यंचा इतनी ज्यादा खींच दी है कि धनुष टूट गया है? उनके विरोधी ऐसा ही मानते हैं। उनका दावा है कि पहले नोटबंदी और उसके बाद वस्तु एवं सेवाकर यानी जीएसटी लागू करके उन्होंने अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर में सबसे बड़ी गिरावट के आधार पर निकाले गए निष्कर्ष को आरोप की तरह पेश किया जा रहा है। अर्थव्यवस्था में समस्या है, इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। ये दोनों कदम उठाते समय सरकार को भी पता था कि समस्या होगी। नरेंद्र मोदी को लेकर देश में इस समय दो तरह की भावनाएं नजर आती हैं। एक मोदी समर्थकों की, जिन्हें कहीं कोई कमी नजर नहीं आती और दूसरे मोदी से नफरत करने वालों की जिन्हें कुछ अच्छा दिखाई ही नहीं देता। कम से कम सोशल मीडिया पर तो ऐसा ही है। यदि आप मोदी के प्रशंसक (भक्त नहीं) या आलोचक (नफरत करने वाले नहीं) हैं तो दोनों तरफ से दुत्कारे जाने के लिए हमेशा तैयार रहिए। भक्त ऐसे हैं जो मोदी का मंदिर तक बनाने को उतावले हैं और नफरत करने वाले ऐसे हैं जिन्हें इसका दुख है कि मोदी लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए हैं। यह बात किसी पार्टी कार्यकर्ता या नेता ने नहीं कही। यह अवार्ड वापसी वाले कवि, लेखक और पूर्व नौकरशाह अशोक वाजपेयी का कथन है। हाल में सुधीश पचौरी से बातचीत में अशोक वाजपेयी ने मोदी के लोकतांत्रिक ढंग से चुने जाने पर अफसोस जताने के बाद कहा, लेकिन यह भी है कि भारत में अभी लोकतंत्र बचा हुआ है, अभी संविधान बचा हुआ है, अभी भी सर्वोच्च न्यायालय बचा हुआ है। इसलिए मुझे अभी भी यह छूट है कि मेरी प्रधानमंत्री के बारे में जो राय है उसे प्रमुखता से कह सकता हूं।.. ये भी लोकतांत्रिक पद्धति से चुने गए हैं, पर लोकतंत्र की जो रोज अवमानना होती है। उसे अलक्षित नहीं किया जा सकता।

यह केवल अशोक वाजपेयी की राय नहीं, पूरे लेफ्ट लिबरल समुदाय की आवाज है कि तुम भले ही लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए हो और संविधान, अदालत के साथ-साथ विरोध के हमारे अधिकार को भी तुमने बनाए रखा हो, पर हम तुम्हें स्वीकार नहीं करते। मूल समस्या यही है। फिर चाहे अर्थव्यवस्था की आलोचना हो या राजनीतिक शैली की अथवा सरकारी नीतियों की-सब पर इसी सोच की छाया है। इसलिए यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा अथवा अरुण शौरी सरकार या मोदी के खिलाफ बोलते ही खुदा के नेक बंदे हो जाते हैं। अरुण शौरी नोटबंदी का मजाक उड़ाते हुए यहां तक कह रहे हैं कि आत्महत्या भी तो साहसिक कदम है। ध्यान रहे कि इन्हीं सबके रहते 1998 से 2004 में भारत इतना चमका कि भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी।

मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी लागू करने के राजनीतिक और आर्थिक खतरे को जानते हुए भी ऐसा क्यों किया, इसे समझने के लिए 2014 के जनादेश को समझना जरूरी है। मोदी को देश के मतदाताओं ने तीस साल बाद जो पूर्ण बहुमत दिया वह भ्रष्टाचार के बिना विकास का था। भ्रष्टाचार के साथ विकास तो संप्रग सरकार के समय भी हो रहा था। संप्रग के दस साल का उदाहरण मोदी के सामने था। तेज विकास और उससे ज्यादा तेजी से भ्रष्टाचार। मोदी को जनादेश अर्थव्यवस्था से भ्रष्टाचार की सफाई के लिए है। भ्रष्टाचार के खिलाफ तमाम कदमों के साथ सबसे बड़ा कदम नोटबंदी का था। यह ऐसा कदम था जो मोदी को राजनीतिक रूप से खत्म भी कर सकता था, लेकिन मोदी ने जोखिम मोल लिया। उनके विरोधी जब तलवार लहरा रहे थे तो देश का गरीब समझ रहा था कि मोदी क्या और किसके लिए कर रहे हैं? यही वजह है कि नोटबंदी के समय लाइन में खड़े होकर हर तरह की तकलीफ उठाने वालों ने राजनीतिक दृष्टि से सबसे अधिक अहमियत रखने वाले उत्तर प्रदेश में लाइन लगाकर मोदी के नाम पर वोट दिया।

नोटबंदी के झटके से अर्थव्यवस्था उबर भी नहीं पाई थी कि मोदी ने जीएसटी लागू करने का फैसला करके एक और झटका दिया। नरेंद्र मोदी की आप चाहे जितनी आलोचना करें, लेकिन उन्हें राजनीतिक नासमझ नहीं कह सकते। उन्हें भी पता था कि इन दोनों कदमों से अर्थव्यवस्था की रफ्तार न केवल थम जाएगी, बल्कि कुछ समय के लिए नीचे भी चली जाएगी। सवाल है कि फिर उन्होंने ऐसा क्यों किया? इसकी दो वजहें नजर आती हैं: एक अपनी नीति पर भरोसा और दूसरे यह विश्वास कि देश के आम लोगों को उनकी नीयत पर भरोसा है। उनके सामने दो विकल्प थे। एक, भ्रष्टाचार होने दें और विकास की दर गिरने न दें। दूसरा, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएं भले ही विकास दर गिर जाए। मोदी ने दूसरा रास्ता चुना। एक लाख मुखौटा कंपनियों का पंजीकरण रद कर दिया गया है और दो लाख संदिग्ध कंपनियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। बैंकों से राजनीतिक रसूख और बैंक अधिकारियों से दोस्ती के आधार पर कर्ज मिलना और मुखौटा कंपनियों के जरिये उनको बाहर भेजने का धंधा बंद हो गया है। नोटबंदी ने देश के गरीब के मन में यह विश्वास जगाया है कि अवैध कमाई करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। सब पैसे बैंक में आ गए, इसका मतलब सब स्याह से श्वेत हो गए, ऐसा निष्कर्ष अरुण शौरी जैसे लोग निजी खुन्नस में ही निकाल सकते हैं। यह पैसा अपने साथ पुराने काले पैसे की ट्रेल भी लेकर आया है। नोटबंदी और जीएसटी ने कांग्रेस राज में संस्थागत हो गए भ्रष्टाचार पर प्रहार किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को ज्यादा नैतिक, पारदर्शी और कानून का पालन करने वाले को प्रोत्साहित करने वाला कदम है। इन सुधारों के बिना तेज विकास भ्रष्टाचार की नींव पर ही खड़ा होता। मनमोहन सरकार के दस साल इसका उदाहरण हैं।

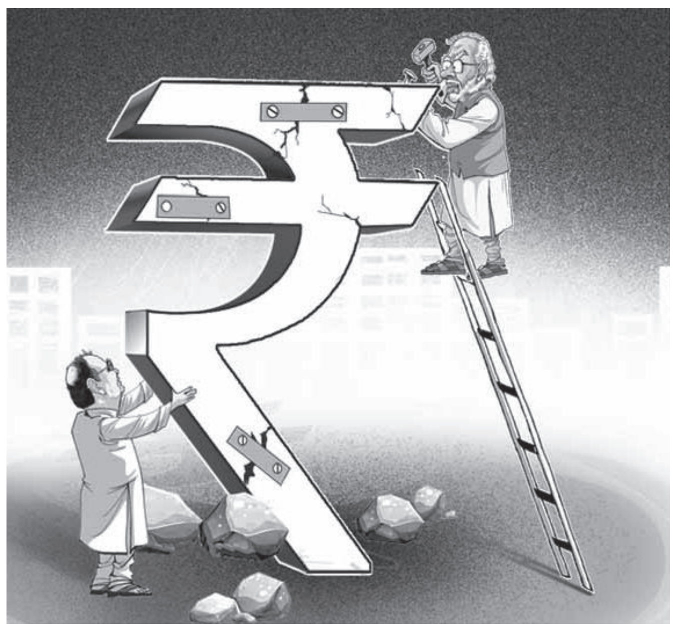

सवाल यह नहीं है कि यशवंत सिन्हा और अरुण शौरी क्या बोल रहे हैं? जब भी उन्हें लगेगा कि मोदी कमजोर हो रहे हैं वे हमला करेंगे और कांग्रेस और उसके साथी दल ताली बजाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और यशवंत सिन्हा के बयानों की किसी को याद है? मोदी के लिए चिंता का कारण मीडिया में उन्हें मिलने वाली तवज्जो होनी चाहिए, क्योंकि इसका एक बड़ा कारण सरकार के कई मंत्रियों का अहंकारी रवैया है जो तटस्थ लोगों को भी कट्टर विरोधी बना रहा है। मोदी को विरोधियों के हमलों से विचलित हुए बिना अपने विश्वास पर कायम रहना चाहिए, लेकिन साथ ही सत्ता के नशे में गाफिल मंत्रियों, नेताओं की नकेल कसने की भी जरूरत है और साथ ही दुष्प्रचार की सख्ती से काट करने की भी।

मिलावट का मौसम

दशहरा बीत चुका है और करवाचौथ व दीपावली आने वाले हैं। इन त्योहारों में मिठाई का अलग महत्व है और इसके जिक्र और भूमिका से कोई भी अनजान नहीं है। लेकिन हिमाचल प्रदेश भी अब अन्य प्रदेशों की तरह कुछ ऐसे दृश्य देख रहा है, जो अच्छे संकेत नहीं देता। जनता को मुनाफे की इकाई समझने की नीयत रखे हुए कुछ लोग मिलावट का मौसम मानकर अपनी करतूतों को अंजाम देने लगे हैं। घी से लेकर दूध और खोवे से लेकर मिठाई तक मिलावट की सूचनाएं सामने आने का क्रम शुरू हो गया है। सवाल केवल व्यापार में भी नैतिकता का नहीं है अपितु लोगों के स्वास्थ्य का भी है। कुछ लोग जानते हैं कि करवाचौथ, दीपावली या भैया दूज में मिठाई की खरीद लगभग हर व्यक्ति करता है। हैरानी इस बात की है कि लोग इसे सोई हुई मुद्रा में भी खरीदते हैं। बस यह सोच कर कि मिठाई की खरीदारी महज औपचारिकता है। इसी क्रम में जो मिलता है, ले लो की राह पर सब चलते हैं। इसी उदासीनता का लाभ उठा कर कुछ लोग मिलावट करते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि दूध की मांग किन नुस्खों को अपनाकर पूरी की जाती है। इनसे मांग तो पूरी हो जाती है लेकिन जो तैयार हुआ वह दूध नहीं होता। यह ऐसा जहर है, जो किसी की भी जिंदगी में अंधेरा ला सकता है। यही हाल अन्य सामग्री का भी है। मानक पूरे नहीं, सफाई की व्यवस्था पूरी नहीं। ऐसे में लोग बीमार ही नहीं, गंभीर बीमार भी हो सकते हैं। ऐसा अनैतिक काम करने वालों को केवल अपना मुनाफा सूझता है। जरूरी है कि लोग जागें और उससे भी अधिक जरूरी यह है कि संबंधित विभाग दायित्व निभाएं और सजगता से अपना काम करें। मिलावट की जांच औचक होनी चाहिए। दस्ते बनाए जाएं, जो आंखें खुली रखें और निरीक्षण का कार्य संजीदगी से करें। उन स्थलों का जायजा लिया जाए, जहां थोक में मिठाई बनती है। शासन-प्रशासन लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे पर सुस्त रवैया नहीं अपना सकता। अगर कहीं कर्मचारी कम या ज्यादा हैं तो उन्हें समायोजित किया जाए। मिठाई व खाद्य पदार्थों की जांच की रिपोर्ट जल्द आए, इसके लिए जिलास्तर पर व्यवस्था बनानी होगी। कई बार सैंपल की रिपोर्ट तब आती है, जब तक लोग उसे खा चुके होते हैं। जरूरत सिर्फ मिठाई में मिलावट रोकने की ही नहीं है बल्कि मानसिकता में आ रही मिलावट दूर करना भी समय की मांग है। समाज का दायित्व है कि जागरूक ग्राहक बनें कहीं कुछ गलत दिखे तो सार्वजनिक करें।

ड्राइवर कम कंडक्टर पद पर नियुक्ति मामला

हाईकोर्ट का हस्तक्षेप से इंकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के परिवहन उपक्रम एसटी महामंडल की ओर से ड्राइवर व कंडक्टर पद पर (ड्राइवर कम कंडक्टर) एक ही व्यक्ति की नियुक्ति करने के निर्णय पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा, एसटी महामंडल अपनी रात की बस सेवा में इस निर्णय को लागू न करे। न्यायमूर्ति एससी धर्माधिकारी व न्यायमूर्ति भारती डागरे की खंडपीठ ने महाराष्ट्र एसटी वर्कर कांग्रेस (इंटक) की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। इससे पहले एसटी महामंडल की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता यशोदीप देशमुख ने कहा, ड्राइवर कम कंडक्टर पद पर नियुक्ति करने का निर्णय महामंडल का नीतिगत निर्णय है। इसके अलावा रोड ट्रांसपोर्ट एक्ट व मोटर व्हीकल कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो एक व्यक्ति को दोहरी जिम्मेदारी सौंपने से रोकता हो। उन्होंने कहा-महामंडल ने इससे पहले भी इस तरह की नियुक्ति की है। शिवनेरी बस में इसी तरह की नियुक्ति की गई हैं।

अब तक इस तरह की नियुक्ति करने से कोई बड़ा हादसा हुआ हो ऐसा कोई उदाहरण याचिकाकर्ता ने अदालत में पेश नहीं किया है। एसटी कर्मचारियों के संगठन ने इस नियुक्ति को नियमों के विपरीत बताया था। व यात्रियों के लिए इसे असुरक्षित कहा था। खंडपीठ ने नियुक्ति करने के निर्णय को महामंडल का नीतिगत निर्णय मानते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

खंडपीठ ने यह कहा

खंडपीठ ने कहा, एसटी महामंडल अपने इस निर्णय को लागू करने के बाद हर 6 महीने में इसकी समीक्षा करे। एसटी बस में सफर करनेवाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी जरूरी कदम उठाए। एसटी महामंडल लोगों को हेल्प (मदद) उपलब्ध कराए लाइन (कतार) नहीं। खंडपीठ ने कहा-रेलवे ने ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराई है कि लोग रेल मंत्री तक अपनी बात पहुंचा सकते है। लेकिन एसटी बस में सफर करनेवाले यात्री अपनी समस्याएं एसटी महामंडल के अधिकारियों तक नहीं पहुंचा पाते हैं।

27 मार्गों पर नियुक्ति

महामंडल की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने बताया, महामंडल राज्य के 27 मार्गों पर ड्राइवर कम कंडक्टर पद पर नियुक्ति कर रहा है। इस पद पर आठ हजार लोगों की नियुक्ति की जाएगी।

शिक्षक

शिक्षक गुरु के समान कहलाता है
एक दीया जैसे खुद जलकर दूसरों को रोशनी देता है

जीवन में सही राह दिखलाता है
झूठ और सच का अंतर हमें समझाता है

कितनी भी मुसीबत आए रुकना नहीं
जीवन के इस संघर्ष का महत्व बताता है

रात दिन हमारी भविष्य की चिंता करता है
भला कौन सा ऐसा पेशा है जहां कोई खुद को मिटा देता है

ज्ञान के द्वारा लोगों को एक नई दिशा दिखलाता है
डूबती हुई नौका का वह खेवैया होता है

उसके विचारों से ही लोगों को मिलता आत्मबल
जैसे मिलता है जोश और आकांक्षा होती प्रबल

शिक्षक से ही होती देश की प्रगति
यह ना हो तो समाज की ना हो उन्नति

शिक्षक का सम्मान यह हमारा कर्तव्य है
यह हमें सफलता के शिखर पर ले जाता है

शिक्षक गुरु समान कहलाता है
एक दीया जैसे खुद जलकर दूसरों को रोशनी देता है

- अंजना परमार
एस.वी.पी. स्कूल (के.ई.एस.) कांदिवली

बच्चे को जन्म से डेंगू, मां से हुआ संक्रमण

मुंबई। मुंबई के कुर्ला इलाके में जन्म से बच्चे में डेंगू के इंफेक्शन होने का एक दुर्लभ मामला सामने आया है। डॉक्टर्स के मुताबिक बच्चे में डेंगू का इंफेक्शन मां से हुआ है और यह नाल के जरिए बच्चे में स्थानांतरित हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्भावस्था में डेंगू का अगर समय रहते इलाज न हुआ तो ये मां के साथ-साथ बच्चे के लिए भी खतरनाक हो सकता है। खबर के मुताबिक कुर्ला निवासी तस्फिया शेख (36 वर्ष) को 11 सितंबर को बुखार के साथ पेट के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत हुई। उस दौरान वह 37 महीने की गर्भवती थीं। जांच में सामने आया कि महिला के भ्रूण की हृदय गति काफी तेज है। इसके बाद सांताक्रूज के सूर्या अस्पताल में महिला की डिलीवरी हुई। पैदा हुए बच्चे का वजन 2.91 किलो पाया गया जो कि एक स्वस्थ बच्चे का वजन होता है। साथ ही बच्चे में किसी प्रकार के रोग का कोई लक्षण भी नहीं था लेकिन दूसरे दिन से उसे बुखार आना शुरू हो गया। इस समय तक मां की डेंगू रिपोर्ट में पॉजिटिव आई। सूर्या अस्पताल के नियोनैटोलॉजिस्ट डॉ. नंदीकिशोर काबरा ने बताया कि डेंगू के वायरस जब व्यक्ति को संक्रमित करते हैं तो इसके लक्षण तीन से दस दिन में पता चलते हैं। ऐसे में यह साफ है कि बच्चे को जन्म से डेंगू का संक्रमण था जिसके लक्षण 48 घंटे बीतने के बाद सामने आए। हालांकि बच्चे का पहला डेंगू एनएस 1 एंटीजन टेस्ट निगेटिव आया था। जब पांच दिन तक बच्चे को लगातार बुखार बना रहा तो डॉक्टर ने दोबारा निरीक्षण किया और इस बार रिपोर्ट पॉजिटिव निकली। बच्चे का प्लेटलेट्स भी 90,000 तक गिर गया था जबकि नॉर्मल प्लेटलेट्स रेट 1.5 लाख से 4.5 लाख तक होती है। इसके बाद पैरासिटामॉल के जरिए बच्चे के बुखार पर नियंत्रण किया गया लेकिन प्लेटलेट्स गिरना लगातार जारी रहा। 12 वें दिन बच्चे का प्लेटलेट्स काउंट 8,000 तक हो गया जिसके बाद प्लेटलेट्स चढ़ाने की नौबत आ गई। 17 दिन तक अस्पताल में बच्चे का इलाज चला। सूर्या अस्पताल के निदेशक डॉ. भूपेंद्र अवस्थी इसे साल का पहला ऐसा मामला बताया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक लाइसेंस-दो मालिक-चार होटल

इस खुलासे में पता चला है कि खार पश्चिम स्थित प्लाट नंबर 9ए, राज कुटीर बिल्डिंग, तीसरा रास्ता में दुलाली, श्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क नाम के चार होटल एक साथ चल रहे हैं मगर इन सब के लाइसेंस एक ही नाम- सम्राट होटल रेस्टोरेंट के नाम पर है और इसके दो मालिक परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई हैं। हैरत की बात यह है कि इन चारों होटल के मालिक और मैनेजर को किसी अवैध गतिविधियों के कारण मनपा एच/डब्ल्यू और खार पश्चिम पुलिस थाने के अधिकारियों द्वारा तलब किया जाता है और उनसे होटल संबंधित कागजात दिखाये जाने को कहा जाता है तो वे सभी एक ही नाम सम्राट होटल रेस्टोरेंट का लाइसेंस दिखाकर उन्हें गुमराह करते हैं। जबकि सम्राट होटल बहुत पहले ही बंद हो चुका है। लेकिन यह सब दिखावे की बातें हैं। मनपा एच/पश्चिम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों ने इन होटलों को अपनी देखरेख में चलाने के काले कारनामे को अंजाम देने में व्यस्त हैं। जानकारी यह भी मिली है कि इन होटलों से होने वाली काली कमाई का बड़ा हिस्सा मनपा के भ्रष्ट अधिकारी अपने उपर के अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। जिसमें मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े का नाम सबसे उपर है। इतना ही नहीं, दुलाली, श्री वाइज मंकी, क्वार्टर पीलर और ट्यूनिंग फोर्क इन चारों होटलों ने अपने सामने की खाली पड़ी जमीन और फुटपाथ को भी अपने कब्जे में लेकर उसपर अवैध निर्माण कर लिया है जहां पर उनका शराब का धंधा बिना किसी खौफ के चल रहा है। जबकि दुलाली होटल के उपर बने बेन्क्वेट हॉल को भी इसके मालिक ने शराबखाना में तब्दील कर दिया है। इसके अलावा ट्यूनिंग फोर्क के पहले माले पर अवैध कब्जा करके वहां भी धंधा किया जा रहा है। आपको बता चुके हैं कि बंद हो चुके सम्राट होटल का लाइसेंस परमजीत सिंह घई और श्रीमती रतनदीप कौर घई के नाम से है, जिन्होंने अपने एक ही पुराने लाइसेंस पर चार-चार होटल खोल रखे हैं और मनपा, पुलिस और लोगों की आखों में धूल झोंक रहे हैं। मुंबई हलचल ने जब इन होटलों की गहराई में जाकर छानबीन की तो यह बात भी सामने आई कि ये चारो होटल मनपा सहायक आयुक्त शरद उघाड़े की शह पर चल रहा है। उनकी विशेष कृपा इन होटलों पर है। जबकि एच/पश्चिम के पानी खाता और वैद्यकीय आरोग्य विभाग को भी इस संबंध में कई बार शिकायतें की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पढ़ते रहिए इन होटलों की पूरी जानकारी प्रतिदिन एक-एक करके।

आजम खान का बयान

आजम खां ने यूपी की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है, आज हर सवाल के जवाब में मुसलमानों का नाम लिया जाता है। आजम खां ने कहा, मुगल हमारे पूर्वज नहीं थे, लेकिन योगी जी ये बताएं कि मुगल भारत में कैसे आए? अकबर का जोधा बाई से क्या रिश्ता था? उन्होंने कहा, हमारे आदर्श मुगल नहीं राम-कृष्ण हैं। लेकिन योगी बताएं कि मोहम्मद साहब और ईशा मसीह आपके आदर्श हैं या नहीं? आजम खां ने आगे कहा, मैं सबसे ज्यादा नफरत किए जाने वाला शख्स हूं। मुझसे लोग नफरत करते हैं। मुझे भारत मां को डायन कहने वाला कहते हैं। आरएसएस मेरी जबान काटना चाहती है। उन्होंने कहा, मैं स्कूल-कॉलेज चलाता हूं। मैं आलीशान मकान में नहीं रहता। मेरे गुरु हिन्दू हैं। मुझे हिंदुओं के मोहल्ले में डर नहीं लगता ये मेरा भारत महान है। ये हमारा वतन है।

मोदी कब तक गुमराह करेंगे?

इस दौरान पार्टी चीफ राज ठाकरे ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "आखिर वो (पीएम मोदी) कब तक देश की जनता को झूठ बोलकर गुमराह करेंगे। बीजेपी ने देश को गर्त में धकेल दिया। आज हमारा प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, लेकिन मुंबई के लोगों को बेहतर सुविधाएं नहीं मिलीं तो अगला प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं होगा।" लॉ एंड ऑर्डर को देखते हुए मुंबई पुलिस ने यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात की। बता दें कि पिछले हफ्ते एलफिन्स्टन ब्रिज हादसे में 24 लोगों की मौत हुई थी। रैली में ठाकरे ने कहा, "बीजेपी सरकार सभी मोर्चों पर देश को गर्त में धकेला रही है। नरेंद्र मोदी झूठ बोलकर देश को गुमराह करते हैं। अब मुझे इस पर भरोसा हुआ। कुछ साल पहले बिजनेसमैन रतन टाटा के कहने पर मैं गुजरात गया था, तब मोदी वहां के सीएम थे। मुझे गुजरात में विकास की गुमराह करने वाली तस्वीर दिखी।" "देश की जनता के बीच मोदी के लिए भरोसा कम हो गया है। वह रोजाना किसी न किसी प्रोग्राम में स्पीच देते हैं और कितना बोलेंगे? अब आप लोगों को भी सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।"

PM मोदी ने बुलाई बैठक, जेटली और शाह भी मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने आवास पर एक बैठक बुलाई है जिसमें वित्त मंत्री अरुण जेटली और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह भी मौजूद हैं। बता दें कि 4 अक्टूबर को पीएम मोदी ने विज्ञान भवन के दौरान संबोधन में कहा था कि जी.एस.टी. से जुड़ी समस्याओं पर सरकार की नजर है, वहीं उन्होंने अर्थव्यवस्था की स्थिति पर भी कई बड़ी बाते कहीं थी। ऐसे में माना जा रहा है कि इस मीटिंग में अर्थव्यवस्था के हालात पर कुछ फैसला लिया जा सकता है, वित्त मंत्री अरुण जेटली की मौजूदगी से भी इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है।

पीएम ने अर्थव्यवस्था के हालात पर हो रही सरकार की अलोचना के जवाब में कहा था कि मेहनत से कमाए गए आपके एक एक पैसे की कीमत ये सरकार समझती है। इसलिए सरकार की नीतियों और योजनाओं में इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि वो गरीबों और मध्यम वर्ग की जिंदगी तो आसान बनाएं हीं, उनके पैसों की भी बचत कराए।

SBI बनाएगा आपकी दीवाली शानदार, लेकर आया 'फेस्टिवल लोन'

त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है और ऐसे में खर्चे बढ़ने की वजह से हो सकता है कि आपके पास पैसों की कुछ कमी हो जाए। पैसों की कमी दूर करने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आपने ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर पेश किया है। यह फेस्टिवल लोन एक तरह का पर्सनल लोन ही है, जो कम ब्याज दर और प्रोसेसिंग फीस पर दिया जाता है। इसके तहत आप 5 हजार से लेकर 50 हजार रुपए तक का लोन ले सकते हैं।

लोन के लिए जरुरी दस्तावेज

लोन को लेने के लिए आपको बैंक

द्वारा मांगे गए दस्तावेज मुहैया करवाने होंगे। इसके अलावा लोन लेने के लिए आपको अपनी सैलरी स्लिप और फॉर्म 16 दिखाना होगा। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो पिछले दो वित्त वर्षों का आईटी रिटर्न दिखाना होगा। इसके लिए बैंकक आपसे एक पासपोर्ट फोटो और एक रेजिडेंस प्रमाण पत्र लेगा।

12 एटक में चुकाना होगा लोन

ऑफर के तहत आपको कम से कम 5000 रुपए का लोन मिल सकता है और ज्यादा से ज्यादा लोन के लिए जो फॉम्युर्ला तय किया गया है वह यह कि आपकी कुल मासिक आय से 4 गुना ज्यादा आपको लोन मिल सकेगा। ई.एम.आई. की बात करें तो 12 महीने के अंदर आपको किस्तों पर यह लोन पूरा चुकाना होगा। बैंक प्रति आवेदन के लिए 100 रुपए प्रति एप्लीकेशन प्रोसेसिंग फीस लेगा।

कुलभूषण जाधव की जान को खतरा!

जासूसी के आरोप में पाकिस्तान की जेल में कैद भारतीय नौसेना के पूर्व ऑफिसर कुलभूषण जाधव पर पाकिस्तानी संस्था आईएसपीआर ने बड़ा दावा किया है। इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मेजर जनरल आसिफ गफूर ने कहा कि कूलभूषण जाधव की दया याचिका अपने अंतिम चरण में है। जल्द ही पाकिस्तान की जनता को गुड न्यूज दी जाएगी।

भारत के विपरीत आ सकता है फैसला

गफूर के इस बयान के बाद आशंका बढ़ गई है कि कुलभूषण जाधव की फांसी पर फैसला भारत की उम्मीदों के विपरीत आ सकता है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने कहा था कि आतंकियों का इस्तेमाल करते हुए एक विदेशी एजेंसी

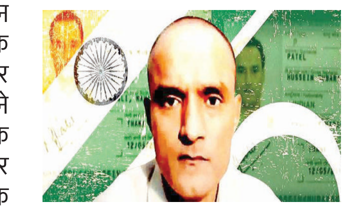

पाकिस्तान में आतंकी हमलों को अंजाम देने की साजिश रच रही है। गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने कथित रूप से जासूसी के मामले में मौत की सजा सुनाई है। हालांकि भारत ने इस सजा के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अदालत (आईसीजे) में अपील की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जाधव की सजा पर रोक लगा रखी है।

पाकिस्तान ने ठुकराया था भारत का आग्रह

18 मई को इस मामले की सुनवाई करते हुए अंतरर्राष्ट्रीय न्याय अदालत की 10 सदस्यीय पीठ ने जाधव की फांसी की सजा के अमल पर रोक लगा दी थी। जिसके जवाब में पाकिस्तान ने आईसीजे में कहा कि वियना समझौते में कंसुलर संपर्क से जुड़े प्रावधान आतंकी गतिविधियों में शामिल किसी जासूस के लिए नहीं हैं। पाकिस्तान ने जाधव को राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए भारत के आग्रह को अब तक ठुकरा दिया है। 46 वर्षीय पूर्व नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव को पिछले साल तीन मार्च को पाकिस्तान ने गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया था।

करवा चौथ के अवसर पर एम एम मिठाईवाला का आकर्षक और मनमोहक 'करवा'

करवा चौथ का पर्व रविवार ८ अक्टूबर २०१७ को है जोकि उत्तर भारतीयों द्वारा काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है।इस अवसर पर मुंबई के मालाड (पश्चिम) में स्थित सुप्रसिद्ध एम.एम.मिठाईवाला ने इस त्योहार के अवसर पर उपयोग आनेवाली मठरी (स्वाली), सुतार फैनी,भुजिया,करवा के कई तरह के मिठाई और नमकीन बनवाया है। साथ में लोगों के लिए पूजा में उपयोग आनेवाली अभोई आठे व लक्ष्मी के पूजा के पन्ने का भी इंतजाम किया है। जिससे लोगों को पूजा का सामान व मिठाई, नमकीन इत्यादि खरीदने में आसानी हो। इनके यहाँ का करवा देखने लायक है,शायद यह केवल इसके यहाँ ही मुंबई में मिलता हो। जोकि लोटे के आकर का शक्कर का बना है और बहुत ही आकर्षक और मनमोहक दिखता है और जिसके दाम छोटे का ४० रूपया, मीडियम का ५० रूपया और बड़े करवा का ६० रूपया प्रति नग है। एम एम मिठाईवाला के मालिक श्री मनमोहन गुप्ता का मानना है कि हम लोग त्योहार के हिसाब

से लोगो के लिए मिठाई और नमकीन बनाते है, जिससे लोगों को जगह जगह भटकना ना पड़े।यदि आप अच्छी व ताजी मिठाईयां, नमकीन,डॉयफ्रूट और करवा चौथ का सामान खरीदना चाहते हैं तो एम.एम.मिठाईवाला के यहां फोन नंबर २८८९ ९५०१ पर संपर्क करें।

नाथूराम को भगवान मानने वाली BJP से सीख नहीं लेगा केरल: पिनराई

भारतीय जनता पार्टी द्वारा केरल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या को लेकर जनसुरक्षा यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह द्वारा किया गया। जन रक्षा पर निशाना साधते हुए केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि वे हमें भयभीत कर सकते हैं। अगर उन्हें लगता है कि वे केंद्र और दूसरे राज्यों में पुराने आरएसएस के चेहरे के साथ कुछ कर सकते हैं, तो वे गलत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा द्वारा निकाली गई रैली गीले पटाखे की तरह फुस्स हो जाएगी।

हम चुनौतियों का करेंगे सामना

मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल को उन लोगों से शांति नहीं सीखना है जो नथूराम गोडसे को अपना भगवान मानते हैं। अगर आप हमें धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं, तो ध्यान रखें कि हम हमेशा ऐसी चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत रखते हैं।

उन्होंने कहा कि आरएसएस के कार्यकर्ताओं की हत्या के तार उन्हीं के वरिष्ठ नेताओं से स्पष्ट तौर पर जुड़ रहे हैं। भाजपा की जन रक्षा यात्रा वामपंथियों की बढ़ती हिंसक घटनाओं के खिलाफ है। यात्रा के दो दिन पूरे हो चुके हैं। पहले दिन अमित शाह ने रैली की थी। कन्नूर में शाह ने कहा था कि राज्य में संघ और बीजेपी के 120 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को मार दिया गया जिनकी सीधी जिम्मेदारी राज्य के सीएम पिनाराई विजयन की है। दूसरे दिन यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केरल पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि यह यात्रा केरल, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा की कम्यूनिस्ट सरकार को आईना दिखाने के लिए है।

नोटबंदी: 11 महीने बीते नहीं मिला बैंककर्मियों को ओवरटाइम का पैसा

नोटबंदी को 11 महीने पूरे होने वाले हैं। 11 माह पहले पीएम मोदी ने देशभर में नोटबंदी का एलान किया था। जिसके बाद 500 और 1000 के नोट बदलने वालों की बैंको में लंबी लाइन लगी थी। इस दौरान बैंककर्मियों ने जमकर काम किया था। ऐसे में11 माह बीत जाने के बाद भी बैंककर्मियों को उनके ओवरटाइम का पैसा नहीं मिला है।

ऐसे में खबरों के मुताबिक बैंककर्मियों ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अगर उनकी बात नहीं सुनी जाती हैं तो वे कोर्ट का रुख भी करेंगे। उस दौरान उनकी छुट्टियां भी रद्द कर दी गई थीं। ऐसी स्थिति करीब तीन महीने तक रही थी लेकिन इस दौरान ओवरटाइम काम करने वाले कर्मचारियों को अभी तक उनका ओवरटाइम का पैसा नहीं मिला है। जबकि नोटबंदी को 11 महीने बीतने

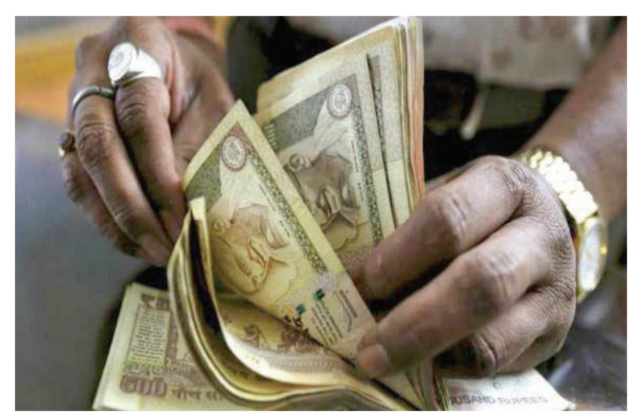

को हैं।

मीडिया रिपोर्ट में ऑल इंडिया बैंक एम्पलॉय एसोसिएशन के जनरल सेक्रेट्री सीएच वेंकटचलम के हवाले से लिखा है, ह्यहम लोगों ने इसकी जानकारी सरकार को दी है। अगर हमारा ओवरटाइम का पैसा नहीं चुकाया जाता है तो हम कड़े उदम उठाएंगे। हम लोग पहले की तरह हड़ताल पर भी जा सकते है। इसके अलावा हम लोग कानूनी विकल्प भी तलाशेंगे। यूनियनों के मुताबिक किसी भी बैंक ने पूरा पैसा नहीं चुकाया है, साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले को वित्त मंत्री अरुण जेटली के संज्ञान में भी लाया गया था और अब श्रम मंत्रालय के साथ अगली बैठक में भी उठाया जाएगा।

बलूचिस्तान की दरगाह में आत्मघाती हमला

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान की सूफी दरगाह में एक फिदायीन हमलावर ने में खुद को उड़ा लिया जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य जख्मी हो गए। घटना के वक्त दरगाह जायरीनों से भरी पड़ी थी। टीवी सूत्रों के अनुसार खबर बलूचिस्तान के झाल मगसी जिले में स्थित दरगाह फतेहपुर में फिदायीन ने घुसने की कोशिश की और जब पुलिस ने उसे रोका तो उसने खुद को उड़ा लिया। उपायुक्त असदुल्लाह काकर के हवाले से चैनल ने कहा कि विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता अनवर-उल-हक काकर ने फिदायीन हमले की पुष्टि की। विस्फोट ऐसे वक्त हुआ है जब दरगाह में सैंकड़ों लोग जियारत करने आए हुए थे। विस्फोट में कम से कम दो पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। स्थानीय प्रशासन ने सिब्बी और डेरा मुराद जमाली के अस्पतालों में आपातकाल की घोषणा कर दी है।

एकता जैन और श्री राजपूत ने कराया फोटोशूट

मॉडल एक्ट्रेस एकता जैन और श्री राजपूत बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने हाल ही में कॉमेडी फिल्म शादी विथ जुगाड़ के लिए गुजरात में शूटिंग की थी। विजय दशमी के दिन दोनों ने फोटो शूट कराया।

गुलबर्ग सोसायटी केस का सिलसिलेवार घटनाक्रम, जिसमें मोदी को मिली क्लीन चिट

अहमदाबाद के 15 साल पुराने चर्चित गुलबर्ग सोसाइटी नरसंहार मामले में हाईकोर्ट ने आज पीएम नरेंद्र मोदी क्लीन चिट दे दी। गोधरा कांड के बाद हुए इस हत्याकांड ने पूरे देश में हलचल मचा दी थी। हम आपको बता रहे हैं क्या है गुलबर्गा कांड और क्यों पीएम मोदी को बनाया गया था आरोपी। हाईकोर्ट ने किसी तरह के बड़े षड्यंत्र की बातों को सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही तब से अब तक हुए घटनाक्रम का सिलसिलेवार वर्णन।

69 लोगों में 30 की हड्डियां तक नहीं मिली

27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस की बोगी में कारसेवकों को जलाने की घटना के एक दिन बाद पूरे राज्य में दंगा भड़क गया था। 28 फरवरी 2002 को भीड़ ने गुलबर्ग सोसायटी में धावा बोल दिया। इस घटना में कांग्रेस के पूर्व सांसद अहसान जाफरी सहित 69 लोगों की जान चली गयी थी। जानकारी के मुताबिक, 39 लोगों के तो शव मिले भी लेकिन बाकी तीस के शव तक नहीं मिले, जिन्हें सात साल बाद कानूनी परिभाषा के तहत मरा हुआ मान लिया गया।

जांच को सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

गुलबर्ग सोसायटी कांड की जांच पहले अहमदाबाद पुलिस ने की और जून 2002 से अक्टूबर 2004 के बीच इस मामले में पांच सप्लीमेंट्री सहित कुल छह चार्जशीट दाखिल की लेकिन

उसी दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दंगों की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया। मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 21 नवंबर 2003 के अपने आदेश के तहत गुलबर्ग सोसायटी कांड सहित 2002 दंगों के नौ बड़े मामलों पर स्टे लगा दिया, जिसमें गोधरा कांड भी शामिल था।

2008 में एसआईटी गठन के दिए आदेश

लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 26 मार्च 2008 को अपने आदेश में इन सभी नौ बड़े मामलों की जांच के लिए विशेष जांच टीम यानी एसआईटी के गठन का आदेश दिया। जिसके अध्यक्ष बनाए गए सीबीआई के पूर्व निदेशक आर के राघवन। राघवन की अगुआई वाली इस एसआईटी ने ही इस मामले में नए सिरे से जांच शुरू की और 2008 में तीन सप्लीमेंट्री चार्जशीट संबंधित मेट्रोपोलिटन अदालत में फाइल की।

2012 में एसआईटी ने दाखिल की रिपोर्ट

जाकिया जाफरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें 2002 दंगों और गुलबर्ग हत्याकांड के लिए राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को भी 62 लोगों के साथ जिम्मेदार ठहराया था। एसआईटी ने 2010 में नरेंद्र मोदी से भी लंबी पूछताछ की। हालांकि मोदी ने इस बात से साफ इंकार किया कि 28 फरवरी 2002 के दिन एहसान जाफरी की तरफ से उन्हें मदद के लिए फोन आया था। जांच पूरी होने के बाद एसआईटी ने अदालत में क्लोजर रिपोर्ट 8 फरवरी 2012 को दाखिल की।

क्या थी जाकिया जाफरी की याचिका?

कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जाकिया जाफरी और तीस्ता सीतलवाड़ की गैर सरकारी संस्था सिटिजन फॉर जस्टिस एंड पीस की तरफ से दंगों के पीछे बड़ी साजिश बतायी गई थी।एसआईटी की क्लोजर रिपोर्ट 8 फरवरी 2012 को दाखिल की गई थी, जिसमें तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी को दी गई क्लीन चिट को मजिस्ट्रेट के आदेश में बरकरार रखने के खिलाफ साल 2014 को हाईकोर्ट में आपराधिक समीक्षा याचिका (क्रिमिनल रिव्यू पेटिशन) दायर की गई थी।

भीष्म पितामह हूं लेकिन अर्थव्यवस्था का चीर हरण हुआ तो चुप नहीं रहूंगा: यशवंत

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने शल्य प्रवृति के लोगों से बचने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर पलटवार करते हुए कहा कि वह महाभारत के भीष्म पितामह हैं और वह किसी भी कीमत पर अर्थव्यवस्था का चीर-हरण नहीं होने देंगे। मोदी ने कल द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के स्वर्ण जयंती समारोह में बिना किसी का नाम न लेते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों की चौतरफा आलोचना के जवाब में कहा था कि कुछ लोग शल्य प्रवृत्ति के हैं, जिनकी आदत निराशा फैलाने की होती है।

मै नहीं रहूंगा खामोश

महाभारत में शल्य का जिक्र एक ऐसे शूरवीर योद्धा के रूप में है जो पांडव के खेमे के होते हुए भी कौरवों से जा मिले थे और उनके सेनापति बने थे। इसीलिए शल्य का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा था कि देश में ऐसे शल्य प्रवृति के लोगों की पहचान करना और उनसे बचना जरुरी है। सिन्हा ने एक निजी टीवी चैनल से साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महाभारत के शल्य का जिक्र किया है लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि महाभारत में ही एक और चरित्र है और वह भीष्म पितामह का है। उन्होंने कहा कि ऐसा कहा जाता है कि जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तो भीष्म पितामह खामोश रह गए थे लेकिन अब अगर अर्थव्यवस्था का चीरहरण होगा तो मैं बोलूंगा।

आंकड़ों का खेल खतरनाक

सिन्हा ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री के उस बयान पर भी टिप्पणी की जिसमें उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर पूववर्ती यूपीए सरकार के साथ अपनी सरकार की तुलना की थी। उन्होंने कहा था कि पिछली सरकार के शासन काल में 8 बार ऐसे मौके आए जब विकास दर 5.7 प्रतिशत या उससे भी नीचे रही। सिन्हा ने इस पर कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि अर्थव्यवस्था पर चर्चा शुरु हुई है। अगर प्रधानमंत्री ने खुद देश की जनता के सामने कुछ बातें रखी हैं तो यह स्वागत योग्य है। लेकिन प्रधानमंत्री ने जो आंकड़े दिए उस पर उन्हें यही कहना है कि आंकड़ों का खेल खतरनाक होता है। वर्ष 2019 में होने वाले चुनाव में अगर सरकार उतरेगी तो जनता यह नहीं पूछेगी कि यूपीए की तुलना में कैसा काम किया बल्कि लोग पूछेंगे कि जो वादे किए गए थे वेपूरे हुए हैं या नहीं।

छुट्टी पर डॉक्टर, इलाज के लिए छटपटा रहे सैंकड़ों मरीज

क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में बुधवार को अधिकतर चिकित्सकों के छुट्टी पर होने से यहां आए सैंकड़ों मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अतिरिक्त जो चिकित्सक ऑन ड्यूटी थे, उनके पास भारी भीड़ लगी रही। गौर हो कि क्षेत्रीय अस्पताल में पहले ही चिकित्सकों की कमी है, ऐसे में कई दिनों के बाद बुधवार को भी कुछ चिकित्सक छुट्टी पर होने से मरीज

पूरा दिन बेहाल हुए। अधिकतर ओ.पी.डी. के बाहर अवकाश पर होने की तख्तियां लटकी हुई थीं। अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली।

अधिकतर ओ.पी.डी. में डाक्टर मरीजों को नहीं मिले। बताया जा रहा है कि बुधवार को डाक्टरों के अवकाश व अन्य ड्यूटी पर होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। यही नहीं, मरीजों की संख्या अधिक होने से वार्डों में भी एक बैड पर 2-2 मरीजों को रखा जा रहा है।

ममता का मोदी सरकार पर हमला, कहा-नोटबंदी सबसे बड़ी आपदा

नोटबंदी को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार द्वारा लिए गए नोटबंदी के फैसले को सबसे बड़ी आपदा बताया है। उन्होंने आगे कहा कि, इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। बनर्जी ने सोशल नेटवर्किंग साइट ट्विटर पर पुरानी बातें को उठाते हुए कहा,

जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि नोटबंदी का फैसला सबसे बड़ी त्रासदी थी और इसने देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर दिया है। इसके बाद केन्द्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर कानून(जीएसटी) के रूप में बड़ा जोखिम लिया, लेकिन सरकार ने उपयुक्त योजनाएं बनाए बगैर इसे इतनी जल्दबाजी में क्यों लागू किया? इससे सबसे अधिक आम लोग तथा व्यापारी वर्ग प्रभावित हुआ है। इस मामले में पूरी जांच कराए जाने की आवश्यकता है।

अखिलेश सपा के निर्विरोध अध्यक्ष बने, पार्टी के अधिवेशन में नहीं पहुंचे मुलायम

आगरा। समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन गुरुवार को आगरा में हुआ। इसमें अखिलेश यादव को पार्टी का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अखिलेश ने मुलायम सिंह यादव को अधिवेशन में आने का न्योता दिया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। पहले खबरें आ रही थी कि वे पहुंच सकते हैं। अखिलेश को अगले 5 साल के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। अधिवेशन में देश भर से करीब 15 हजार पार्टी डेलिगेट्स हिस्सा ले रहे हैं। सपा अध्यक्ष पद पर अखिलेश के नाम पर दोबारा मुहर 10 महीने बाद लगी है। अखिलेश पहली बार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एक जनवरी 2017 को बने थे। तब सपा महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा बुलाए गए राष्ट्रीय अधिवेशन में मुलायम सिंह को सपा के संरक्षक की भूमिका दी गई थी। वहीं, झगड़े की जड़ माने जा रहे राष्ट्रीय महासचिव अमर सिंह को पार्टी से निकाल दिया गया था, जबकि शिवपाल यादव को सपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। इससे पहले, 4 नवंबर 1992 को जब समाजवादी पार्टी की स्थापना हुई थी, उस वक्त से ही मुलायम सिंह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए अखिलेश यादव और डिंपल यादव बुधवार को आगरा पहुंचे थे, जबकि रामगोपाल 3 अक्टूबर को ही

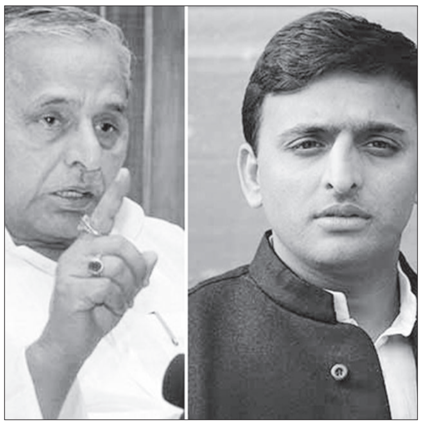

पहुंच गए थे। 28 सितंबर को मुलायम सिंह से मिलकर अखिलेश ने उन्हें आगरा के राष्ट्रीय अधिवेशन में आने का न्योता दिया था, लेकिन अधिवेशन में मुलायम नहीं पहुंचे। पहले खबरें आई थीं कि एक कारोबारी दोस्त से मुलायम सिंह ने अधिवेशन में जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन मांगा था। वहीं, बुधवार को अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, "मैंने नेताजी से आशीर्वाद मांगा है, मैं चाहता हूं वो आगरा आएं।"

मुलायम ने आगरा चलने को कहा, शिवपाल ने किया इंकार

बुधवार को शिवपाल ने मुलायम से मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक, मुलायम ने ही शिवपाल को अपने आवास पर बुलाया था। नेता जी ने शिवपाल से अधिवेशन में चलने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। कहा ये भी जा रहा है कि नाराज चल रहे शिवपाल ने लोहिया ट्रस्ट से भी इस्तीफे की पेशकश की है। इस बीच, मुलायम ने शिवपाल से कहा है कि वो उन्हें पार्टी में महासचिव की कुर्सी दिला देंगे और वे दिल्ली में पार्टी का काम देखेंगे, लेकिन शिवपाल ने इससे इनकार कर दिया है। इससे पहले इटावा में गांधी जयंती पर पार्टी ने रैली निकाली थी, लेकिन शिवपाल इसमें भी शामिल नहीं हुए थे। जबकि शिवपाल पिछले 7 साल से इस रैली में शामिल होते आए हैं।

नई पार्टी का एलान करना था, ऐन वक्त पर पलटे मुलायम

बता दें कि 25 सितंबर को मुलायम सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था। इसमें उन्हें समाजवादी पार्टी से अलग होकर नई पार्टी बनाने का एलान करना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नई पार्टी बनाने वाले प्रेस नोट को पढ़ा ही नहीं। इसके उलट उन्होंने कहा कि मैं कोई नई पार्टी नहीं बना रहा हूं। इससे पहले खबरें आई थीं कि मुलायम अखिल भारतीय समाजवादी पार्टी का एलान कर सकते हैं। बता दें कि समाजवादी पार्टी में फूट के बाद दो गुट बन गए हैं। एक गुट मुलायम और उनके छोटे भाई शिवपाल यादव का है, तो दूसरा गुट अखिलेश और मुलायम के चचेरे भाई रामगोपाल यादव का है।

15 महीने से चल रहा है यादव परिवार में झगड़ा

करीब डेढ़ साल से यादव परिवार में कलह चल रही है। अखिलेश और रामगोपाल एक तरफ हैं तो शिवपाल और मुलायम दूसरी तरफ। मुलायम शिवपाल के साथ खड़े दिखते हैं। लेकिन जानकारों का कहना है कि कहीं ना कहीं यह विवाद मुलायम की शह पर ही बढ़ता चला गया। कुछ दिनों पहले ही शिवपाल के कहने के बावजूद मुलायम ने नई पार्टी बनाने का एलान नहीं किया था। बताया जाता है कि इसके बाद से ही शिवपाल अलग मोर्चा या पार्टी बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

मोदी और योगी पर टिप्पणी के लिए प्रकाश राज के खिलाफ लखनऊ में केस दर्ज

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध अशोभनीय बयान देने के आरोपी अभिनेता प्रकाश राज के विरुद्ध दायर केस को न्यायिक मजिस्ट्रेट सुब्रत पाठक ने दर्ज कर वादी के बयानों के लिए सात अक्टूबर की तिथि नियत की है। अदालत के समक्ष यह परिवाद आलमबाग निवासी वकील सरदार परविन्दर सिंह ने दायर कर कहा कि गत एक अक्टूबर को मीडिया में आई खबरों से उन्हें पता चला कि चेन्नई निवासी अभिनेता प्रकाश

राज ने प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध अशोभनीय टिप्पणी की है। आरोप है कि प्रकाश राज ने बेंगलुर में आयोजित एक कार्यक्रम भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नाटकबाज बताते हुए कहा है कि उनसे बड़ा एक्टर मैं स्वयं हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए कहा है कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं या पुजारी तथा ऐसा लगता है कि वह डबल रोल खेल रहे हैं। वादी ने कहा है कि प्रकाश राज के बयानों से उन्हें धक्का लगा है तथा उनका बयान वैमनस्यता पैदा करता है।

रेलवे टेंडर घोटाला मामला: सीबीआइ ने लालू यादव से की पूछताछ

पटना। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव आज रेलवे टेंडर मामले में सीबीआइ के सामने पेश होने के लिए आज सुबह ग्यारह बजे नई दिल्ली स्थित सीबीआइ मुख्यालय पहुंचे। सीबीआइ के अधिकारियों ने लालू यादव से तैयार प्रश्नावली के तहत पूछताछ की। लालू यादव के साथ उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती भी सीबीआइ मुख्यालय पहुंची थीं। लालू को पहले 3 अक्टूबर को पेश होना था, लेकिन उन्होंने पांच तारीख तक की मोहलत मांगी थी जो सीबीआइ ने मान ली थी और आज लालू से पूछताछ हुई। लालू के अलावा उनके बेटे तेजस्वी यादव भी शुक्रवार को सीबीआइ के सामने पेश होंगे। लालू की पेशी से एक दिन पहले पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने अपने सरकारी आवास 10, सर्कुलर रोड पर पार्टी विधान मंडल की आपात बैठक बुलाई जिसमें पार्टी के कई विधायकों, विधान पार्षदों समेत जिला अध्यक्षों को बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, विधान मंडल की बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि पार्टी किस तरीके से संकट के दौर से गुजर रही है और ऐसे में भविष्य को लेकर पार्टी की रणनीति क्या हो? जानकार सूत्रों के मुताबिक बैठक में इस बात को लेकर भी चर्चा हुई कि अगर रेलवे टेंडर घोटाले में सीबीआई की पूछताछ के बाद लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को गिरफ्तार कर लिया जाता है तो पार्टी इसका कैसा मुकाबला करेगी?

क्या है आइआरसीटीसी टेंडर घोटाला: रांची और पुरी के चाणक्य बीएनआर होटल जो कि रेलवे के हेरिटेज होटल थे। लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए इन होटलों को अपने करीबियों को लीज पर दे दिया था और बदले में जमीन के प्लॉट ले लिए थे। ये दोनों होटल अंग्रेजों के जमाने के थे इसीलिए इसका ऐतिहासिक महत्व था पर अब नहीं रहा क्योंकि इन होटल्स को पूरा रेनोवेटेड कर दिया गया है। लालू यादव एवं उनके परिवार के खिलाफ एक हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति का मामला रांची और पुरी से जुड़ा हुआ है। लालू प्रसाद जब रेल मंत्री थे तब रेल मंत्रालय ने रांची एवं पुरी के ऐतिहासिक होटल बीएनआर को लीज पर देने का निर्णय लिया था। इस लीज के लिए रांची के कुछ होटल व्यवसाइयों के अलावा लालू प्रसाद के निकट के सहयोगी एवं झारखंड से राज्यसभा के सांसद प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी दोनों होटलों को लेने में सफल रहे और रांची के बीएनआर होटल को पटना के प्रसिद्ध होटल चाणक्य के संचालक हर्ष कोचर को 60 साल के लिए लीज पर मिल गया। पहले तो लीज की अवधि 30 वर्ष रखी गयी, परन्तु बाद में इसकी अवधि बढ़ाकर साठ साल कर दी गई।

निजी कंपनियों ने कागजों पर ही रोशन कर दिया गांव

लखनऊ। बिजली विभाग विद्युतीकरण करने वाली कंपनियों पर आंख मूंदकर भरोसा करती रही और कंपनियों ने कागजों पर ही गांवों को रोशन कर दिया। अब लेसा के अभियंता गांव-गांव घूमकर देख रहे हैं कि विद्युतीकरण हुआ है या नहीं। हालांकि वरिष्ठ अभियंता आज भी ऐसी कंपनियों पर विश्वास कर रहे हैं। अधीक्षण अभियंता सीपी यादव ने बताया कि केआइए कंपनी ने विद्युतीकरण का काम कराया है, उसका दावा है कि लाइन चार्ज कर दी गई है। वहीं दूसरे अधीक्षण अभियंता के निर्देशों के बाद भी कोई अभियंता संबंधित गांव का दौरा करने नहीं गया। सिर्फ संबंधित प्रधान के पास अवर अभियंता फोन करते रहे।

मलेशेमऊ के प्रधान मोहम्मद माहरूफ आरोप लगाते हैं कि प्रदेश सरकार बिजली कनेक्शन देने के लिए शिविर लगवा रही है। विद्युतीकरण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इसके बाद भी गोमती नगर विस्तार के मलेशेमऊ के दर्जनों परिवार अंधेरे में रहने को विवश हैं। प्रधान माहरूफ के मुताबिक आज तक कनेक्शन के लिए गांव में कोई शिविर नहीं लगा। यही नहीं जिम्मेदार अभियंताओं ने

महीनों पहले बिछाई गई लाइन में आज तक करंट तक नहीं दौड़ाया। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि पॉवर फार आल का सपना कैसे पूरा होगा। वहीं मकदूमपुर के प्रधान देवेश यादव आरोप लगाते हैं कि निजी कंपनी ने गांव के बाहर ही सिर्फ पोल व एरियर बंच कंडेक्टर लगाकर इतिश्री कर ली। गलियों में जहां जरूरतमंदों को कनेक्शन चाहिए, वहां न तो पोल ले जाने की जरूरत समझी गई और न ही केबल बिछाया गया। ऐसे में भविष्य में अगर जरूरत मंद कनेक्शन लेते हैं तो उन्हें हजारों रुपये का केबल अपने पास से खर्च करना पड़ेगा। यादव आरोप लगाते हैं कि गांवों में जिस हिसाब से तारों का मकड़जाल फैला है उससे लगता है कि विद्युतीकरण में संबंधित अभियंताओं ने कितना ध्यान दिया होगा। यह हाल मलेशेमऊ, जुराखनपुरवा, मकदूमपुर और गुलहरिया गांव का है।

भारत नहीं, विदेश में बने हैं ये खूबसूरत और ऐतिहासिक मंदिर

आपने भारत के बहुत से खूबसूरत और हेरिटेज मंदिरों के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको इंडोनेशिया में बने कुछ ऐतिहासिक मंदिरों के बारे में बताने जा रहें है। इन मंदिरों को देखने के लिए देश-विदेश से कई टूरिस्ट आते है। आइए जानते है इन खूबसूरत मंदिरों के बारे में कुछ और बातें।

1. मगेलांग, बौद्ध विहार मंदिर
इंडोनेशिया के मगेलांग इलाके में बने इस बौद्ध विहार मंदिर में आपको कई देवी देवताओं की प्रतिमाएं देखने को मिलती है। 6 चबूतरें से बने इस मंदिर को दुनिया का सबसे बड़ा और विशाल मंदिर माना जाता है।

2. जावा, प्रम्बानन मंदिर
भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर है। इस खुबसूरत मंदिर में आप तीनों भगवानों को एक साथ उनके वाहन पर बैठे हुए देख सकते है।

3. बाली, पुरा तमन सरस्वती मंदिर
बाली के उबुद में बने इस सरस्वती मंदिर रोजाना संगीत कार्यक्रम होता है। इस मंदिर में बना कुंड इसका मुख्य आकर्षण है। यहां पर बनी देवी सरस्वती की मूर्ती पर से आपकी नजर नहीं हटेगी।

4. बाली, तनह लोट मंदिर
सरस्वती के साथ-साथ बाली इलाके में एक विशाल समुद्री चट्टान पर बना यह मंदिर बहुत खूबसूरत है। प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ यद मंदिर बाली द्वीप के हिन्दुओं की आस्था का बड़ा केंद्र हैं।

5. जावा, सिंघसरी शिव मंदिर
इंडोनेशिया के इस मंदिर में भगवान शिव की सबसे बड़ी प्रतिमा को स्थापित किया गया है। भगवान शिव से संबंधी सभी त्यौहार में यह मंदिर किसी जन्नत से कम नहीं लगता।

6. बाली, पुरा बेसकिह मंदिर
बाली द्वीप के माउंट अगुंग में स्थित इस मंदिर को सबसे बड़ा और पवित्र मंदिर माना जाता है। इस मंदिर में कई देवी-देवताओं की मूर्तियां बनी हुई है। यूनेस्को की विश्व धरोहर बन चुके इस मंदिर की खूबसूरती देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से आते है।

इस खूबसूरत गुफा में घूमने के लिए पर्यटक दे रहे हैं भारी रकम

घूमने के शौकिन लोग नई और एडवेंचर से भरी हुई जगहों पर घूमने का शौक रखते है। दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहे हैं जो कुदरती रूप से बनी हुई हैं और उनकी खूबसुरती भी बयान करना मुश्किल होता है। आज हम जिस खूबसूरत जगह की बात कर रहे है वह एक गुफा है जो वियतनाम में स्थित है। जगंल में बनी यह गुफा दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है।
इसकी खोज 1991 में एक किसान ने की थी। यह गुफा माउंटेन रिवर केव से 300 मीटर नीचे स्थित है। इस गुफा की लंबाई 8.9 कि.मी, ऊंचाई 656 फुट और चौड़ाई 490 मीटर है और यह जमीन से 490 मीटर नीचे स्थित है।
इस गुफा का नाम सन डूंग है। इसकी खास बात यह है कि इसमें एक नदी बहती है जिसकी आवाज गुफा के चारों और गूंजती है। इसकी खूबसूरती के कारण यह जगह लोगों में बहुत फेमस हो गई। इस गुफा में जाने के लिए पहले एक साल में सिर्फ चार टूर ही हुआ करते थे लेकिन लोगों का बढ़ रही संख्या को देखते हुए इस टूर की संख्या अब 7 कर दी गई है। यहां पर ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठाया जा सकता है। लोग इस गुफा को देखने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वह इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। सरकार की ओर से आयोजित इस टूर के लिए लोग भारी रकम भी अदा कर रहे हैं।

खतरों की खिलाड़ी! शार्क के साथ तैरती है यह लड़की

बहामास के एक रिसॉर्ट में इस वीडियो को बनाया गया है। वीडियो में सफेद रंग का स्विम सूट पहने एक लड़की शार्क से भरे पूल में कूद जाती है और फिर पानी में अठखेलियां करना शुरू कर देती है। वैसे आपको बतादें कि सार्क मछलियों में सबसे खतरनाक मानी जाती है। इंसान के खून की गंध मिलते ही शार्क उनपर हमला कर देती हैं। ऐसे में इस लड़की का पूल में उतर कर ढेरों शार्क के बीच में स्वीमिंग करना लोगों के रोंगटे खड़ा करने के लिए काफी है। अगर आप से कहा जाए कि शार्क से भरे पूल में उतर कर दिखाईये तो उतरना तो दूर आप पूल के पास भी नहीं फटकेंगे। स्कूल ऑफ शार्क में ये लड़की शार्क को

पूल में लाल मीट के कुछ टुकड़े डालने के बाद पानी में कूद गई। इसके बाद वो पानी में घंटो शार्क के बीच खेलती रही है। वीडियो में दिख रहा है कि पानी में मीट का टुकड़ा गिरते ही ढेरों शार्क उस उन टुकड़ों को खाने के लिए उसपर टूट पड़ीं। लड़की काफी देर तक पानी में शार्क के बीच में रही और फिर वो बाहर निकल आई।

मुंबई हलचल राशिफल
आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। विवाद से क्लेश संभव है। कुसंगति से बचें। हानि होगी। आजीविका के क्षेत्र में उन्नति होगी।

सिंह
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अपेक्षाकृत कार्य टलेंगे। चिंता रहेगी।

धनु
भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार मिल सकता है। विवाद से क्लेश होगा। पुराना रोग उभर सकता है। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें।

वृष
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। भागदौड़ रहेगी। सही समय पर फैसला लेंगे।

कन्या
विवाद न करें। राजकीय बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। बैंकिंग संस्थानों से कर्ज, आसान वित्त आदि प्राप्त होंगे।

मकर
थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। कार्य की प्रशंसा होगी। रोग व चोट से बचें। कुसंगति से हानि होगी, बचें। आवेश पर नियंत्रण रखें।

मिथुन
पुराना रोग उभर सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। लाभ होगा। अपने कार्यों की सफलता से प्रसन्न रहेंगे।

तुला
भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। लाभदायी योजनाएं हाथ में आएंगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभ
शुभ समाचार मिलेंगे। सम्मान बना रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। धनार्जन होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापारिक गोपनीयता बनाए रखें।

कर्क
पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में तनाव संभव है। लाभ होगा।

वृश्चिक
किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। लाभ होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मीन
अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के साधन बनते रहेंगे।

बच्चे को पापा ने अकेला छोड़ा, 5 मिनट बाद देखा तो दंग रह गई मां

बच्चों के मन में कब-क्या चल रहा होता है, यह कोई नहीं जान सकता। वह आपकी हर छोटी चीज को नोटिस करते हैं और मौके पड़ते ही वैसा ही करने की कोशिश करते हैं। ऐसा ही कुछ एक मां को झेलना पड़ा जब उसका 2 साल का बच्चा कमरे में अकेला था। इंग्लैंड के वेल्स में रहने वाली कैरी तीन बच्चों की मां है, इसमें दो जुड़वां लड़के हैं जैक और एलिस। कैरी ने अपने पति डैन से बच्चे संभालने के लिए बोला, लेकिन इधर पति की नजर भी चूकी और जैक ने अनोखा काम कर दिया।

मां देखते ही रह गई हैरान
खबरों के मुताबिक, दो साल का जैक कमरे में अकेला होने पर पहले तो इधर-उधर घूमता रहा। बाद में उसकी नजर मम्मी के ड्रेसिंग टेबल पर रखी एक एंटीसेप्टिक क्रीम पर पड़ी। बच्चे को नहीं पता था यह क्रीम चेहरे की है या चोट लगने पर लगाई जाती है। जैक ने क्रीम का ढक्कन खोलकर सारी क्रीम हाथ में निकाल ली और चेहरे पर पोत लिया। बगल में खड़ा जैक का भाई यह सब देखकर हंसने लगा। मां को जब बच्चों के तेज हंसने की आवाज आई तो वह कमरे में दौड़कर आई और जैक को क्रीम में सना देख हंसने लगीं।
कैरी बताती हैं कि जब वह मेकअप वगैरह करती

हैं तो जैक उन्हें बड़े ध्यान से देखता है। उसको लगा यह फेयरनेस क्रीम है और उसने चेहरे पर लगा ली। कैरी ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरे के गड्ढों को दूर करने के लिए ट्राई करें ये होममेड टिप्स

बेदाग और सुंदर त्वचा तो हर लड़की पाना चाहती है लेकिन कई बार चेहरे पर गड्ढे पड़ जाते है। कई बार चेहरे पर दाग-धब्बे के निशान रह जाते है जो धीरे-धीरे गड्ढों में बदल जाते है। आज हम आपकों इन्हीं गड्ढों को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाएं बताएंगे। इनकी मदद से आप बिना किसी नुकसान के चेहरे के इन गड्ढों को मिटा सकती है।

1. बादाम पाउडर

1 टीस्पून बादाम पाउडर में आधा टीस्पून चीनी, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टीस्पून शहद, को अच्छी तरह मिला लें। सोने से पहले रोजाना इस पेस्ट से चेहरे की मसाज करें। कुछ ही दिनों में आपके चेहरे के गड्ढे दूर हो जाएंगे।

2. बेकिंग पाउडर

बेकिंग पाउडर में हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिला कर चेहरे पर रोजाना 10 मिनट तक लगाएं। कुछ ही दिनों में इसका असर दिखने लगता है।

3. नींबू का रस

नींबू के रस में 1-2 बूदें शहद और ग्लिसरीन मिला कर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट से करीब 20 मिनट त चेहरे की मसाज करें। ऐसा करने से गड्ढों के साथ-साथ चेहरे के दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।

4. संतरे का छिलका

चेहरे पर संतरे के छिलके से मसाज करने पर भी जिद्दी गड्ढे दूर हो जाते है। इसके अलावा इन गड्ढों को दूर करने के लिए आप दूध औक काली मिर्च का पेस्ट भी लगा सकते है।

कभी न करें ये 6 ब्यूटी प्रॉडक्ट्स शेयर, नहीं तो...

आजकल हर लड़की अपने बैग में कोई न कोई ब्यूटी प्रॉडक्ट्स रखती है। किसी के मांगने पर आप अपने प्रॉडक्ट्स को शेयर भी कर लेती है लेकिन ऐसा करने से आपको कई त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते है किन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को दूसरों के साथ शेयर करने से आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है।

1. लिप ग्लॉस या लिपस्टिक

अपनी लिप ग्लॉस या लिपस्टिक किसी के साथ शेयर करने पर आपको गले या मुंह इंफेंक्शन हो सकता है। इसलिए कभी भी किसी को अपनी लिप ग्लॉस न दें।

2. सोप बार

अक्सर आप दूसरों को हाथ साफ करने के लिए अपना सोप बार दे देते है लेकिन इससे आपको त्वचा संबंधी संक्रमण का खतरा हो सकता है। भले ही सोप बार सफाई के लिए होता है लेकिन फिर भी किसी को अपना सोप यूस करने के लिए न दें।

3. मेकअप स्पंज

कभी भी अपना मेकअप स्पंज किसी को इस्तेमाल करने के लिए न दें और न ही किसी का स्पंज इस्तेमाल करें। इसको छोटे-छोटे छिद्रों में यीस्ट और बैक्टीरिया जमा हो जाते है। जिससे आपको फंगल इंफेक्शन, मुंहासे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है।

4. मस्कारा

मस्कारा ब्रश की मदद से बैक्टीरिया पलकों और आंखो को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे आपको आंखों कि लालिमा, आंखों में दर्द व इंफेक्शन, कॉर्निया में सूजन आदि प्रॉब्लम हो सकती है।

5. हेयर ब्रश

भूलकर भी कभी किसी को अपना हेयर ब्रश न दें और न ही किसी का इस्तेमाल करें। इससे आपको स्कैलप इंफेक्शन, डेंड्रफ और स्कैलप फंगस की समस्यां का सामना करना पड़ सकता है।

6. लोशन जार

चाहे आप कितनी ही अच्छी कंपनी का लोशन क्यों न करते हो लेकिन उसमें जितनी बार उंगली डुबोई जाती है, उतनी बार उसमें जर्म पहुंचने की आशंका होती है। इसलिए कभी किसी को अपना लोशन इस्तेमल करने के लिए न दें।

ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान!

अक्सर ऐसा होता है कि आपने किसी ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे में पढ़ा या सुना, तो आप उसे तुरंत खरीद लाती हैं। चाहे आपके पास पहले से ही बहुत से प्रोडक्ट्स पढ़े हो। ऐसे में आपके द्वारा खरीदे गए कई प्रोडक्ट्स तो बिना इस्तेमाल किए ही बेकार चले जाते हैं। लेकिन अगर आप चाहे तो थोड़ी सी सावधानी बरतकर इन प्रोडक्ट्स को वेस्ट जाने से रोक सकती हैं और पैसों की भी बचत कर सकती हैं।

आईए जानते हैं कैसे:-

☞ दूसरों को देखकर कभी भी ब्यूटी प्रोडक्ट्स न खरीदें। इससे आपके पैसे बर्बाद ही होंगे। इसलिए हमेशा वही प्रोडक्ट लें जो आपकी स्किन को सूट करे।

☞ कोई भी प्रोडक्ट लेने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर चेक कर लें या फिर अगर आपने कोई प्रोडक्ट खरीदा है जो जल्दी ही एक्सपायर होने वाला है, तो समय रहते उसका इस्तेमाल कर लें।

☞ अगर आपने गलती से कोई ऐसा ब्यूटी प्रोडक्ट खरीद लिया है, जो आपके किसी काम का नहीं, तो आप उसे किसी को गिफ्ट में भी दे सकती हैं।

☞ सस्ता समान देखकर ढेर सारे प्रोडक्ट न खरीदें। पहले एक प्रोडक्ट खत्म करें उसके बाद ही दूसरा खरीदें।

☞ कई लोग कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स महज इसलिए खरीद लेते हैं, क्योंकि इनकी ऐड या इस्तेमाल किसी सेलीब्रेटी ने किया होता है। इसमें आपका ही नुकसान हैं, क्योंकि क्या पता वह आपकी स्किन के अनुरूप है या नहीं।

☞ आजकल बाजार में कई ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स हैं जिनका प्रयोग एक से अधिक कामों के लिए किया जा सकता है। इससे आपको ज्यादा प्रोडक्ट्स खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और पैसे की बबार्दी भी नहीं होगी।

☞ अगर पहली बार कोई प्रोडक्ट खरीद रही हैं, तो हमेशा छोटा पैक ही लें। अगर पसंद आए तो बाद में आप बड़ा पैक ले सकती हैं।

शरीर की इन बीमारियों से बढ़ जाता है ब्रेन हैमरेज का खतरा

आजकल दुनिया में लोगों की मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन हैमरेज जैसी घातक बीमारी है। हाल ही में हुए एक शोध में बताया गया है कि कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के कारण ब्रेन हैमरेज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इन बीमारियों से ग्रस्त लोगों को ज्यादा सावधान रहना चाहिए। आज हम आपको कुछ ऐसी बीमारियों के बारे में बताएंगे जिससे आपको ब्रेन हैमरेज जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती है।

1. हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर सिर्फ ब्रेन हैमरेज ही नहीं बल्कि हार्ट अटैक, किडनी फेलियर आंखें खराब और लकवा जैसी बीमारियों को भी बढ़ावा देता है। हाई ब्लड प्रेशर के 40 से 50 प्रतिशत रोगियों को ब्रेन हैमरेज होने की आंशका होती है।

2. थॉयराइड

थॉयराइड बढ़ने पर आपको ब्रेन हैमरेज का खतरा हो सकता है। थॉराइड की बीमारी को कम करने के लिए रेस्ट, अच्छी खान-पान और दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

3. माइग्रेन के कारण

माइग्रेन, तनाव ग्रस्त और मोटापे के शिकार लोग सुस्त होने लगते है। ऐसे लोगों में ब्रेन हैमरेज होने की संभावना और भी बढ़ जाती है। इस तरह की समस्याओं को दूर करने के लिए आपको व्यायाम करना चाहिए।

4. डायबिटीज

डायबिटीज में ब्रेन हैमरेज का खतरा 2 से 3 गुणा तक बढ़ जाता है। ऐसे में आपको अपनी टाइम से लेनी चाहिए इसके अलावा खान-पान में भी सावधानी रखनी चाहिए। उन चीजों का सेवन न करें जो आपको मना हो।

5. अन्य कारण

कई बार यह बीमारी शराब, ड्रग, तम्बाकू, बीड़ी और सिगरेट के अधिक सेवन के कारण भी हो जाती है। इसके अलावा रक्तनलियों का उलझना, रक्तस्त्राव, सर पर चोट, खून का पतला होना, सिर में सूजन और हार्ट अटैक के कारण भी ब्रेन हैमरेज हो जाता है।

बीसीसीआइ ने 3 महीने में भर दी रवि शास्त्री की झोली

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की टीम को 4-1 से मात देकर वनडे सीरीज तो अपने नाम की ही साथ ही साथ भारतीय टीम वनडे की नंबर वन टीम भी बन गई। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन से कोच रवि शास्त्री तो खुश हैं ही इसके साथ ही वो एक और वजह से काफी प्रसन्न हैं और वो वजह है भारतीय क्रिकेट टीम के साथ अपने नए कार्यकाल के पहले तीन महीने की उनकी सेवाओं के लिए एक करोड़ 20 लाख रुपये से कुछ अधिक का भुगतान किया गया है। शास्त्री ने इस साल जुलाई में मुख्य कोच के रूप में वापसी की थी और 18

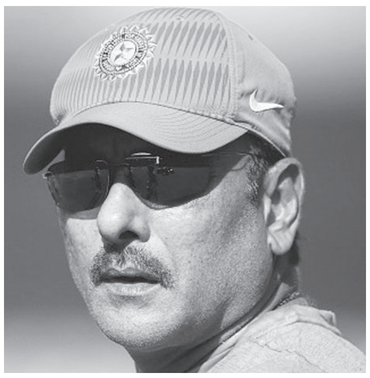

जुलाई से 18 अक्टूबर के बीच तीन महीने के लिए उन्हें 1,20,87,187 रुपये का भुगतान किया गया है। बीसीसीआइ की वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को भारत के बाहर हुए टूर्नामेंटों के सकल राजस्व में हिस्से के तौर पर 57,88,373 रुपये का भुगतान किया गया है। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वालों के लिए भी अच्छी खबर है। बीसीसीआइ ने रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी की मैच फीस के रूप में क्रमशः 69,35,141 और 56,79,641 रुपये का भुगतान किया है।

शिखर धवन ने भारतीय टीम की लगातार सफलता के पीछे की वजह बताई

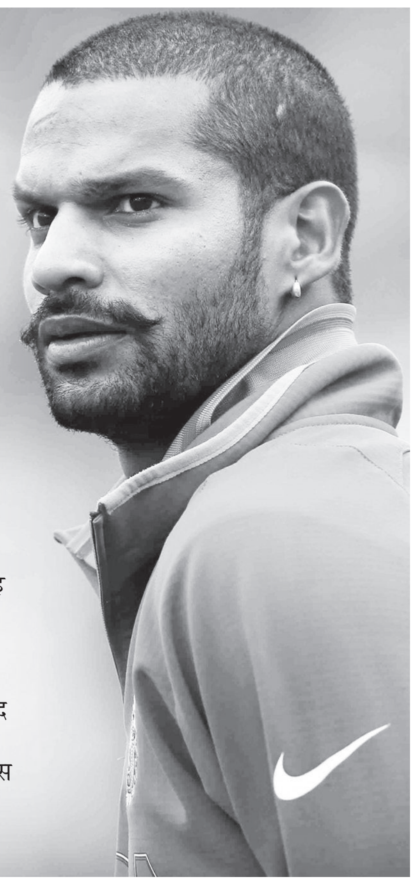

नई दिल्ली। भारतीय टीम इस वक्त टेस्ट और एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर है। विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सलामी जोड़ी से लेकर तेज गेंदबाज हर कोई बेहतरीन खेल दिखा रहा है। भारतीय टीम की जीत में शिखर धवन ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कई मौकों पर टीम को बेहतरीन शुरूआत दी है और अच्छी पारियां खेली हैं। शिखर धवन ने बताया कि क्यों भारतीय टीम इस वक्त इतना अच्छा खेल दिखा रही है।

शिखर धवन ने भारतीय टीम की लगातार सफलता का कारण बताया। उन्होंने कहा कि 'भारतीय टीम इसलिए नंबर वन है क्योंकि हमारे पास परिपक्कव खिलाड़ियों की कमी नहीं है। इसके अलावा युवा खिलाड़ी भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल के दौरान स्थापित खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रुम शेयर करके उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है'। धवन ने कहा कि 'भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ भी इस समय काफी मजबूत है। टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है। सभी खिलाड़ियों को पता है कि अगर वे अच्छा नहीं खेलेंगे तो अगला खिलाड़ी उनकी जगह लेने के लिए तैयार है, जो कि टीम के लिए बहुत अच्छी बात है। इससे हर खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता है'। धवन ने भारतीय टीम के घरेलू मैचों की भी तारीफ की और कहा कि 'हमारे घरेलू क्रिकेट का ढांचा भी काफी बढ़िया है। इसी वजह से काफी अच्छे खिलाड़ी भारतीय टीम को मिल रहे हैं'। धवन ने इसके अलावा हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह के खेल की भी तारीफ की। इसके अलावा लंबे समय बाद अनुभवी आशीष नेहरा की वापसी पर उन्होंने खुशी जताई। गौरतलब है शिखर धवन ने चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में भी वो बेहतरीन फॉर्म में थे।

सचिन 40 की उम्र तक क्रिकेट खेल सकते हैं तो नेहरा क्यों नहीं: सहवाग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए दिग्गज तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के टीम इंडिया में शामिल होने पर उठ रहे सवालों पर पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने उनका बचाव किया है। सहवाग ने कहा कि अगर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर 40 की उम्र तक क्रिकेट खेल सकते हैं, तो नेहरा क्यों नहीं खेल सकते।

2020 में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में नेहरा के खेलने की संभावना के बारे में सहवाग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप में खेलने के लिए उम्र मायने रखती है। अगर नेहरा फिट हैं और कम रन देकर अधिक विकेट ले सकते हैं, तो वह वर्ल्ड कप में क्यों नहीं खेल सकते? सहवाग ने कहा, सनथ जयसूर्या 42 साल की उम्र तक खेले थे। सचिन 40 साल की उम्र तक भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, तो नेहरा क्यों नहीं?

सहवाग ने कहा, फिटनेस ही हर क्रिकेट खिलाड़ी के लिए सही मंत्र होना चाहिए। अगर आप फिट हैं, तो आप हिट हैं। सहवाग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मौजूदा समय में भारतीय टीम में कोई भी ऐसा खिलाड़ी शामिल है, जो फिट नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज का आगाज 7 अक्टूबर से होगा। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 मैच रांची में खेला जाएगा।

सानिया और पेंग की जोड़ी चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बीजिंग। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार चीन की शुआई पेंग के साथ चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। भारतीय और चीनी खिलाड़ी की जोड़ी ने महिला युगल के दूसरे राउंड के मुकाबले में कमाल का प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड की डी. शुयुर्स और बेल्जियम की ई. मेर्टेंस की जोड़ी को सीधे सेटों में मात दी। सानिया-पेंग ने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में शुयुर्स और मेर्टेंस की जोड़ी को 7-5, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

सानिया और पेंग को टूर्नामेंट के पहले दौर में बाय मिला था। दूसरे राउंड के पहले सेट में सानिया-पेंग को जीत के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। भारतीय-चीनी जोड़ी ने शुयुर्स और मेर्टेंस की चुनौती पर पार पाते हुए 7-5 से पहला सेट अपने नाम किया। सानिया और पेंग की जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुयुर्स और मेर्टेंस को आसानी के साथ 6-2 से हराकर मुकाबला जीत लिया।

'टैटू' वाले प्लेयर पर फिर सुनील गावस्कर का तीखा कमेंट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 टीम का सलेक्शन हो चुका है। इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनका नाम सुनते ही हर कोई हैरान रह गया था। वहीं, दूसरी और इस टी-20 से कुछ ऐसे खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है, जिनकी उम्मीद शायद किसी को नहीं थी। आशीष नेहरा और दिनेश कार्तिक को टीम में एंट्री मिलने पर जितनी हैरानी हुई थी, उससे कहीं ज्यादा लोग इस बात से चौंक थे कि इस टीम में अजिंक्य रहाणे को जगह नहीं मिल पाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में लगातार 4 मैचों में अर्धशतक जड़ने वाले अजिंक्य रहाणे को टी-20 में जगह न मिलने पर क्रिकेट लीजेंड सुनील गावस्कर भी हैरान हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को बीसीसीआई का यह सलेक्शन रास नहीं आया है और उन्होंने इस पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर अजिंक्य रहाणे को टीम में नहीं लेने पर खासे नाराज हैं। उनका कहना है कि लगातार शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी रहाणे को टीम में नहीं चुना गया है

और लगातार फ्लॉप रहने के बाद भी लोकेश राहुल को टी-20 टीम में जगह क्यों मिली है। गावस्कर ने कहा कि, जिस खिलाड़ी ने लगातार 4 अर्धशतक जड़े हो, उसे टीम से बाहर बैठाने की बात मुझे समझ नहीं आती। मुझे हैरानी है कि रहाणे को टीम में क्यों नहीं चुना गया है। उन्होंने आगे कहा कि, लोकेश राहुल एक शानदार खिलाड़ी है, लेकिन वनडे सीरीज में उन्होंने एक भी मैच नहीं खेला। पूरी सीरीज से बाहर रहने वाले खिलाड़ी को अचानक टी-20 टीम में जगह क्यों दी गई है? और लगातार शानदार परफॉर्म करने वाले खिलाड़ी को टीम से बाहर कर दिया गया है। यह मेरी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि रहाणे को टीम में चुना जाना चाहिए था, लेकिन उन्हें नहीं चुना गया है। सलेक्शन कमेटी को रहाणे को बाहर करने का कारण बताना होगा। उन्होंने कहा कि, जिस खिलाड़ी की टीम में जगह पक्की नहीं है, बावजूद इसके वह मौका मिलने पर हर बार खुद को साबित कर रहा है तो उसके साथ यह करना ठीक नहीं है। बता दें कि रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में लगातार 4 मैचों में अर्धशतक लगाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 टीम का ऐलान काफी चौंकाने वाला रहा। टीम के ऐलान में सबसे चौंकाने वाला नाम आशीष नेहरा का है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्नेहा नमनांदी की सफलता का राज कई भाषाओं पर अच्छी पकड़

स्नेहा नमनांदी का नाम इन दिनों बॉलीवुड में काफी चर्चा का विषय बना हुआ हैं। स्नेहा नमनांदी मुंबई की बेटी है जिसका कई भाषाओं पर अच्छी पकड़ है। अपनी इसी विशेषता की बदौलत इन्होंने तमिल, तेलगु,कन्नड, बंगला और हिंदी भाषा के सीरियल, म्युजिक अलबम, वृत्तचित्र,फिल्म आदि में अपने जलवे बिखेरे हैं। इनके सपनों को आकार मिला कन्नड़ फिल्म **ली** से। इसके बाद इन्होंने राकेश बापट और मंजरी फड़नीस के साथ मराठी फिल्म "सर्व मंगल सावधान" पूरी की। इसके बाद तेलगु और तमिल भाषा में दो व्यावसायिक फिल्में की। इनका अगला पड़ाव था सिद्धार्थ कुमार तिवारी द्वारा निर्देशित स्वस्तिक प्रोडक्शन की सोनी पर प्रसारित "पोरस" शो में काम करना। इसके बाद इन्होंने दो हिंदी म्युजिक विडियो में काम किया जिसमे एक कृष्णा सोलो(तनु वेड्स मनु के म्युजिक डायरेक्टर) और दूसरा जी म्युजिक के साथ। इसके बाद एक तेलगु फेस्टिवल फिल्म में भी वे नजर आईं। फिर इसके बाद इन्होंने एक हिंदी फिल्म "देसी बम" पूरी की जिसके निर्देशक हैं तारिक खान और फिल्म के कलाकार में संजय मिश्रा–प्रशांत नारायण प्रमुख हैं। यह आफबीट फिल्म इसी वर्ष रिलीज होने वाली हैं। अभी अभी इन्होंने बंगाली म्युजिक विडियो में जुबेन गर्ग के साथ गाना गाया है। लोगों को इंतजार है इनकी फिल्म रिलीज होने का और इनकी अदाकारी का जलवा देखने का ।

महाभारत पर फिल्म बनाएंगी सोनम कपूर

अभिनेत्री सोनम कपूर को किताबें पढ़ने का शौक है और इसी शौक को वे बड़े परदे पर लाने के लिए उत्सुक रहती हैं। जी नहीं, उनके पढ़ने के शौक को नहीं बल्कि उन किताबों की कहानी को वे बड़े परदे पर फिल्म के द्वारा दर्शार्ने की इच्छा रखती हैं। हाल ही में उन्होंने 'द आर्यवर्त क्रॉनिकल्स' किताब के राईट्स ले लिए है। यह कृष्णा उदयाशंकर की लिखी एक सीरीज है जो कि तीन किताबों गोविंद, कौरव और कुरुक्षेत्र पर आधारित महाकाव्य महाभारत है। सोनम कपूर यह फिल्म अपने होम-प्रोडक्शन के बैनर तले बनाएंगी। सोनम ने 'महाभारत' की इस कहानी को अच्छी तरह पढ़कर लगा कि इस पर आज के जमाने को ध्यान में रखकर फिल्म का निर्माण किया जा सकता है। सोनम इस किताब पर एक नहीं बल्कि तीन फिल्में बनाना चाहती हैं। उन्हें लगता है कि 'द आर्यवर्त क्रॉनिकल्स' की कहानी को किसी एक फिल्म में समेट लेना ठीक नहीं होगा। फिल्म की कहानी को अच्छी तरह दिखाने के लिए इसे तीन भाग में बनाना चाहिए। शायद सोनम को बाहुबली की सफलता ने प्रेरित किया है। सोनम ने इसकी स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले पर काम भी करना शुरू कर दिया है।

पद्मावती' दीपिका ने कबूला, अब तक डिप्रेशन से नहीं उबर पाई हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण उन चुनिंदा सेलेब्स में शामिल हैं, जिन्होंने सरेआम कबूल किया कि वह डिप्रेशन का शिकार रह चुकी हैं। डिप्रेशन से उभरने के लिए उन्होंने अपना फाउंडेशन 'लिव लव लाइफ' भी शुरू किया। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हाल ही में डिप्रेशन से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया है। भारत आर्थिक सम्मेलन में मानसिक रोग से जुड़ी धारणा के विषय में बात करते हुए दीपिका ने कहा कि बीते समय में डिप्रेशन के साथ उनकी जंग का अनुभव उनके लिए इतना खराब रहा है कि उन्हें यह डर सताता रहता है कि वह फिर इसकी चपेट में ना आ जाएं। दीपिका के मुताबिक, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कह सकती हूं कि मैं इससे (डिप्रेशन से) पूरी तरह उबर चुकी हूं। मेरे दिलोदिमाग में यह डर हमेशा बना रहता है कि मैं फिर से इसकी चपेट में आ जाऊंगी क्योंकि मेरे लिए यह अनुभव बहुत ही खराब रहा है। उनसे पूछा गया कि अपने डिप्रेसन के बारे में खुलकर बोलने से क्या उन्हें कोई नुकसान उठाना पड़ा? इस पर दीपिका ने कहा कि इस बारे में वह निश्चित तौर पर तो कुछ नहीं कह सकती, लेकिन हो सकता है कि कुछ निमार्ता इस वजह से उनके पास ना आए हों। दीपिका ने देशभर के स्कूलों के पाद्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य विषय को शामिल करने की वकालत करते हुए कहा कि इस तरह इससे जुड़ी भ्रामक धारणा को दूर किया जा सकेगा।